हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 355 | शुक्रवार 18 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

जाति जनगणना रिपोर्ट पर कर्नाटक सरकार चर्चा करेगी और फैसला लेगी खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करेगी और उचित फैसला करेगी।

सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को जाति जनगणना नाम से भी जाना जाता है। खड़गे ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने इसे नहीं देखा है। खड़गे ने कहा कि यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है, हर राज्य अपना काम करता है। केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार मंत्रिमंडल में चर्चा करेगी और फैसला लेगी। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है। मामला राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के विरोध के बारे में कहा कि विरोध हो सकता है। मैंने अपनी राय साझा की है। जाति जनगणना पर विरोध के बीच सीएम सिद्धरमैया की अगुवाई में कर्नाटक सरकार की एक विशेष बैठक गुरुवार को बुलाई गई है। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों सहित कई और समुदायों के लोगों ने इस जाति जनगणना को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे अव्यवस्थित करार दिया है। समुदायों ने इस सर्वेक्षण को खारिज कर नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। समाज के कई वर्गों द्वारा जाति जनगणना सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई गई है और सत्तारूढ़ कांग्रेस के अंदर भी इसके खिलाफ जोरदार आवाजें उठ रही हैं।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, सुप्रीम कोर्ट से राहत, कहा

-जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाएं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और स्स्ष्ट को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा। हालांकि, ग्रुप सी और ग्रुप डी के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने 2016 की भर्ती के 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था।

तीसरे दिन भी ईडी के दफ्तर पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका गांधी भी दिखीं साथ

-लगातार दो दिनों में 11 घंटे की लंबी पूछ-ताछ

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाड्रा तीसरे दिन गुरुवार को भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी और वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी नजर आईं। ईडी ने समन भेजकर वाड्रा को पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया था, इसके चलते मंगलवार को वो ईडी के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 5 घंटे पूछताछ की गई थी, इसके बाद बुधवार को भी वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 6 घंटे तक पूछताछ हुई और अब तीसरे दिन गुरुवार को फिर वाड्रा ईडी के समक्ष पेश हुए। हरियाणा के शिकोपुर लैंड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना कर रहे रॉबर्ट वाड्रा गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी उनके साथ मौजूद रहीं। वाड्रा से ईडी द्वारा बुधवार को करीब 6 घंटे और मंगलवार को साढ़े 5 घंटे पूछताछ की गई थी। अब तक कुल मिलाकर 11 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की जा चुकी है। यह मामला वर्ष 2008 में गुरुग्राम के मानेसर-शिकोहपुर इलाके में खरीदी गई जमीन से जुड़ा बताया गया है, जिसे कथित तौर पर वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटलिटी ने 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा और 2012 में डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेचा जाना दृष्टव्य है। इस सौदे से कंपनी को लगभग 50 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। इस लेन-देन पर विवाद तब खड़ा हुआ जब वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने इस जमीन के म्यूटेशन को रद्द कर दिया और इसे राज्य के समेकन अधिनियम का उल्लंघन बताया। बहरहाल ईडी की लगातार पूछताछ के बीच रॉबर्ट वाड्रा खुद को निर्दोष बता चुके हैं। उनका कहना था कि उन्होंने 2019 में ही हर सवाल का जवाब दे चुके हैं। इस दौरान वाड्रा ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया है।

वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और संपत्ति बदलाव पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जवाब के लिए दिए 7 दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करे, और तब तक वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी और न ही वक्फ बाय यूजर संपत्तियों में किसी प्रकार का कोई बदलाव ही किया जाएगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से स्टे न देने की अपील करते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का समय मांगा, जिसे पीठ ने मंजूर कर लिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम रूप से यथास्थिति बनी रहेगी, जिससे किसी पक्ष के अधिकारों को नुकसान न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि धारा 9 और 14 के अंतर्गत परिषद और वक्फ बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। साथ ही वक्फ बाय यूजर के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों को डिनोटिफाई या परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

वक्फ संबंधी मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन दोपहर दो बजे शुरू हुई। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 05 दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर जवाब दाखिल कर सकते हैं, जिसके बाद मामले को अंतरिम आदेश के लिए सूचीबद्ध किया जा सकेगा। यहां एसजी तुषार मेहता ने स्टे नहीं लगाने का आग्रह हुए करते कोर्ट से कहा, ऐसा करके आप एक कठोर कदम उठाएंगे। हफ्तेभर का मुझे समय दे दें, ताकि जवाब दाखिल किया जा सके और दिखाया जा सके कि यह सब कैसे हुआ। एसजी तुषार की दलील पर सीजेआई ने कहा, कुछ कमजोरियां थीं तो वहीं कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं। ऐसे में हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले...। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, केंद्र 7 दिनों के भीतर जवाब देना चाह रहा है। इसी के साथ उन्होंने अदालत को आश्वस्त करते हुए कहा, कि धारा 9 और 14 के तहत परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक वक्फ जिसमें पहले से रजिस्टर्ड या नोटिफिकेशन के जरिए से घोषित वक्फ बाय यूजर शामिल है, को न तो डिनोटिफाई किया जा सकेगा और न ही उसमें कलेक्टर ही कोई बदलाव कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट की त्रिपल बेंच ने एसजी के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए अंतरिम आदेश जारी कर सरकार को 7 दिन में जवाब देने को कह दिया।

इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र से पूछा कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति दी जाएगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि वक्फ बाय यूजर को कैसे अस्वीकृत किया जा सकता है, क्योंकि कई लोगों के पास ऐसे वक्फों को पंजीकृत कराने के लिए अपेक्षित दस्तावेज नहीं होंगे।

इससे पहले वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं की सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की इजाजत दी जाएगी? जबकि वक्फ (संशोधन) कानून गैर मुसलमानों को वक्फ में नियुक्ती प्रदान करने का अधिकार देता है। अदालत ने यह भी पूछा कि वक्फ बाय यूजर की अवधारणा को कैसे लागू किया जा सकता है, जबकि अधिकांश लोगों के पास ऐसे वक्फ को वैध ठहराने के लिए दस्तावेज नहीं होंगे।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने पीएम मोदी से की मुलाकात, वक्फ कानून को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग थी। दाऊदी बोहरा समुदाय ने आगे प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन पर भी विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे इस सोच के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। बता दें कि दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल की पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे।

बोहरा मुसलमान- बोहराओं ने अपना नाम गुजराती शब्द 'वाहौरौ' से लिया है, जिसका अर्थ है 'व्यापार करना'। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार 'बोहराओं में शिया के अलावा, अक्सर व्यापारी वर्ग, सुन्नी अल्पसंख्यक शामिल होते हैं जो आमतौर पर किसान होते हैं। मुस्तली संप्रदाय जो मिस्र में उत्पन्न हुआ और बाद में यमन में अपना धार्मिक केंद्र स्थानांतरित कर दिया, 11 वीं शताब्दी के मिशनरियों के माध्यम से भारत में पैर जमा लिया। 1539 के बाद, जिस समय तक भारतीय समुदाय काफी बड़ा हो गया था, संप्रदाय की सीट यमन से सिद्धपुर (गुजरात का पाटन जिला), भारत में स्थानांतरित कर दी गई थी। सुन्नी बोहरा हनफी इस्लामिक लॉ का पालन करते हैं। हालांकि, शियाओं के दाऊदी बोहरा समुदाय से वो बहुत अलग नहीं हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को सलाह, राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

-अनुच्छेद 142 के तहत मिले अधिकार न्यूक्लियर मिसाइल बन गए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर बनाम राज्य सरकार मामले में गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोकने को अवैध बताया।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित कर धनखड़ ने कहा, हमारे पास इसतरह के न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा के घर अधजली नकदी मिलने के मामले में अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई? क्या कुछ लोग इस देश में कानून से ऊपर हैं। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की इन-हाउस कमेटी बनाई है। इसका कोई संवैधानिक आधार नहीं है। कमेटी सिर्फ सिफारिश दे सकती है, लेकिन कार्रवाई का अधिकार संसद के पास है।

अगर ये मामला किसी आम आदमी के घर होता, तब अब तक पुलिस और जांच एजेंसियां सक्रिय हो चुकी होती न्यायपालिका हमेशा सम्मान की प्रतीक रही है, लेकिन इस मामले में देरी से लोग असमंजस में हैं।

नीमच - अमित शाह ने सीआरपीएफ परेड में लिया हिस्सा, मंच से बोले

31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, मुझे अपने जवानों पर पूरा भरोसा

नीमच (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सीआरपीएफ इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। वे मध्यप्रदेश के नीमच जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा होगा और सीएपीएफ तथा सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) इकाई इसमें अहम भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने नीमच में 86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस समारोह में परेड दल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में अशांति होती है, तब गृहमंत्री के नाते जब मुझे पता चलता है कि वहां सीआरपीएफ के जवान हैं, तब मुझे बहुत सुकून मिलता है, मैं अपने दूसरे काम भी करता हूं, क्योंकि भरोसा है कि अगर सीआरपीएफ के जवान हैं, तब जीत निश्चित है। चाहे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ना हो या पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी हो, और सबसे महत्वपूर्ण नक्सलवादियों को सिर्फ चार जिलों तक सीमित करना हो, इन सभी चीजों में सीआरपीएफ के जवानों का बड़ा रोल है।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने सीआरपीएफ के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है। सीआरपीएफ दिवस हर साल 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बल को ध्वज सौंपा था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल विस्तारित समारोह के हिस्से के रूप में 17 अप्रैल को परेड आयोजित की गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपने नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिएः भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि नेशनल हेराल्ड मामला ''धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है'' और राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सरकार द्वारा परमार्थ उपयोग के लिए नेशनल हेराल्ड को दी गई संपत्तियों का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल करने के कारण अपने नेताओं के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए।

पुरी ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विपक्षी दल के नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''नेता अपने ही कार्यकर्ताओं को गुमराह कर रहे हैं। अगर उन्हें विरोध करना है, तो उन्हें अपने नेतृत्व के खिलाफ विरोध करना चाहिए।'' सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों के पास यंग इंडियन में 76 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के तथ्य की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी ने 50 लाख रुपये की मामूली राशि के लिए एसोसिएटेड जर्नल्स के 99 प्रतिशत शेयर हस्तांतरित कर दिए। नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएटेड जर्नल्स के पास है। पुरी ने कहा कि एसोसिएटेड जर्नल्स के पास 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है।'' पुरी ने कहा कि यह मामला उस समय का है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार सत्ता में थी।

तत्कालीन मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने दावा किया था कि सार्वजनिक धन का निजी इस्तेमाल के लिये यंग इंडियन की स्थापना की गयी थी। एक उदाहरण देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस से संबद्ध अखबार को 1963 में प्रेस और कार्यालय चलाने के लिए बहादुर शाह जफर मार्ग पर 0.3365 एकड़ जमीन 1.25 लाख रुपये प्रति एकड़ की रियायती दर पर आवंटित की गई थी।

चीन को तैयारियां करने में लगेगा समय, इस साल देर से शुरु हो सकती कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 4 साल से अधिक समय तक चले तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह मानसरोवर यात्रा 2020 से बंद थी। अब जल्द ही यात्रा के शुरू होने की संभावना है। इससे लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा चीन के तिब्बत क्षेत्र में स्थित पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक होती है। यह यात्रा हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह यात्रा 2020 में कोरोना महामारी के कारण रुकी थी और बाद में एलएसी पर भारत-चीन के बीच तनाव के चलते शुरु नहीं हो सकी। लेकिन अब दोनों देश यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए गंभीरता से बात कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बीते साल अक्टूबर में डेमचोक और देपसांग में सैनिकों की वापसी पर सहमति के बाद दोनों देशों ने भरोसे को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बीते साल रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने सीमा विवाद और रिश्तों को बेहतर करने के लिए कई तंत्रों को फिर से शुरू करने का फैसला किया।

हालांकि, इस साल यात्रा सामान्य समय से थोड़ा देर से शुरू हो सकती है और देर तक चल सकती है। बताया जा रहा हैं कि चीनी पक्ष को यात्रा के लिए सुविधाओं को तैयार करने के लिए थोड़ा समय चाहिए, क्योंकि ये सुविधाएं बीते पांच साल से उपयोग में नहीं थीं। जल्द ही यात्रा के शुरू होने की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। भारतीय अधिकारियों ने मामले पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा जून से सितंबर के बीच किया जाता है। यह यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होती है। यह यात्रा बेहद कठिन है, क्योंकि श्रद्धालुओं को 19,500 फीट की ऊंचाई पर कठिन मौसम और उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना होता है। फिर भी, हर साल हजारों श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा के लिए तैयार रहते हैं।

मौसम ने बरसाया 35 मिनट कहरः ओले, बाढ़ और आंधी ने उजाड़ा इस्लामाबाद

इस्लामबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को अचानक आई भयानक ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई। 35 मिनट की आंधी और ओले ने इस्लामाबाद को तहस-नहस कर दिया। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर, सोलर पैनल बर्बाद, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में बाढ़ ने कोहराम मचा दिया। अचानक हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, जिससे सड़कें और घर डूब गए। तारनोल इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा जहां उखड़े पेड़ों ने रास्ते बंद कर दिए। इस बारिश ने गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफिस ने कहा, हमारी टीमें सड़कों पर हैं, पानी निकासी का काम जारी है। नुकसान का आकलन हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात बहाल किया जा रहा है।

अप्रैल में जहां दक्षिणी पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं इस्लामाबाद में यह बारिश कुछ राहत लेकर आई। लेकिन यह राहत महंगी साबित हुई। पाकिस्तान मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से 20 अप्रैल तक इस्लामाबाद, रावलपिंडी और अन्य उत्तरी इलाकों में बारिश, आंधी और तूफान का दौर जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, मरी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में आग का खतरा बढ़ेगा। मई-जून में अरब सागर में चक्रवात बन सकते हैं, जो तटीय इलाकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।यह कोई साधारण बारिश नहीं थी, बल्कि सीधे तौर पर प्रकृति का गुस्सा था, जो जलवायु परिवर्तन की चेतावनी दे रहा है। इस्लामाबाद में अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

साहस को सलामः डिलीवरी बॉय बनकर घुसे बदमाशों से भिड़ीं संयुक्त विकास आयुक्त की पत्नी, ऐसे सबक सिखाया

मेरठ, एजेंसी। मेरठ की तक्षशिला कॉलोनी में मंगलवार दोपहर दो बदमाशों ने बस्ती जनपद में संयुक्त विकास आयुक्त बलराम सिंह के आवास में घुसकर पत्नी पुष्पा देवी और बेटे निशित उर्फ निशु के घर में घुसकर लूट की कोशिश की। डिलीवरी बॉय बनकर घुसे बदमाशों ने पिस्टल के बल पर पुष्पा देवी को आतंकित कर दिया और बाल पकड़कर घसीटते हुए बाथरूम तक ले गए। पुष्पा देवी घबराने के बजाय बदमाशों से भिड़ गईं।

उन्होंने एक बदमाश को दबोच लिया। घबराए दूसरे बदमाश ने उनके सिर पर पिस्टल की बट से हमला किया। इससे वह घायल हो गईं और दोनों बदमाश भाग गए। बेटे नशित के फोन करने पर पहुंची मेडिकल पुलिस केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। दिनदहाड़े हुई वारदात से कॉलोनी निवासियों में दहशत व्याप्त है।

दोपहर को बजी थी डोरबैलः पीसीएस अधिकारी बलराम सिंह संयुक्त विकास आयुक्त के पद पर बस्ती जनपद में तैनात हैं। उनकी पत्नी पुष्पा और बेटा निशित तक्षशिला कॉलोनी में रहते हैं। मंगलवार दोपहर 2:10 बजे उनके घर की डोरबैल बजी। पुष्पा देवी गेट खोलने के लिए

पहुंची, तो दो बदमाशों ने खुद को डिलीवरी बॉय बताते हुए एक लिफाफा पुष्पा को सौंपा। लिफाफे पर पुष्पा और उनके बेटे निशित का नाम लिखा हुआ था। इसके बाद दोनों बदमाशों ने अंदर चलकर हस्ताक्षर करने के लिए कहा। बदमाश भी घर के अंदर दाखिल हो गए। बदमाशों ने पुष्पा देवी को बंधक बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाश उन्हें बाल पकड़कर घसीटते हुए बाथरूम में ले जाने लगे। तभी पुष्पा देवी बदमाशों से भिड़ गईं।

बेटे ने कमरा अंदर से बंद कर खुद को किया सुरक्षित

एक बदमाश को उन्होंने दोनों हाथों से पकड़कर शोर मचाया। तब दूसरे कमरे में मौजूद निशित को बदमाश आने की जानकारी हुई और उसने पिता और पुलिस को कॉल कर दी। इधर, पुष्पा के एक बदमाश को पकड़ने पर दूसरे बदमाश ने उनके सिर पर पिस्टल की बट से हमला कर दिया। वह घायल हो गई। उनकी चूड़ियां चटक गईं। हाथ जख्मी हो गया। इसके बाद महिला एक कमरे में चली गई। निशित दूसरे कमरे में चला गया। दोनों ने अंदर कुंडी लगा ली। बदमाश नाकाम होकर भाग गए। निशित ने पुलिस को सूचना दी। दोनों बदमाशों को पुष्पा और बेटे निशित का नाम पता था। उन्होंने लिफाफे पर भी नाम लिखा था। ऐसे में पुलिस मानकर चल रही है कि कोई परिचित ने घटना कराई है।

पुष्पा ने बचपन में सीखे जूडो-कराटे

पुष्पा देवी ने बताया कि उन्होंने स्कूल के समय में जूडो-कराटे सीखे थे। इसके चलते उन्होंने डरने के बजाय बदमाशों का मुकाबला किया। हालांकि बदमाश हमला कर भागने में कामयाब हो गए। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ सिविल लाइन को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज में चार बदमाश दिख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आगरा के पुलिस आयुक्त बने दीपक कुमार...जे रविन्दर गौड का गाजियाबाद तबादला

आगरा , एजेंसी। शासन ने मंगलवार को 11 आईपीएस सहित आगरा के पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड का तबादला कर दिया। उन्हें गाजियाबाद का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। उनके स्थान पर आगरा रेंज के आईजी दीपक कुमार को पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

वर्ष 2005 बैच के आईपीएस जे रविन्दर गौड की आगरा में तैनाती जनवरी 2024 में हुई थी। उनके कार्यालय में कई बड़ी घटनाओं का खुलासा हुआ। बोदला में जमीन पर हुए कब्जे के प्रकरण में एक के बाद एक आरोपियों को जेल भेजा गया। नकली दवाओं की बिक्री कराने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया।

फीडबैक में शिकायत मिलने पर 50 से अधिक पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई। निलंबन से लेकर जोन में बदलाव तक हुए। हाल ही में हुए तहसील में जिल्द बही से दस्तावेज गायब करने के मामले में सख्त कार्रवाई कर आरोपियों को जेल भेजा गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को शिष्टाचार का पाठ पढ़ाया।

थाने और चौकियों का जीर्णोद्धार कर नया रूप दिया। दीपक कुमार भी वर्ष 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वो पहले से आगरा जोन में आईजी रेंज का पद संभाल रहे थे। शासन ने नए पुलिस आयुक्त के रूप में उनकी तैनाती की है।

कार से करता था हथियारों की सप्लाई...एसटीएफ ने किया गिरफ्तार, 50 हजार का रह चुका है इनामी

आगरा , एजेंसी। कार में बैठकर हथियार बेचने वाले आरोपी को एसटीएफ ने रकाबगंज क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से कार, 9 एमएम बोर की पिस्टल, 4 तमंचे और कारतूस मिले हैं। आरोपी पूर्व में 50 हजार रुपये का इनामी भी रह चुका है।

निरीक्षक एसटीएफ हुकुम सिंह ने बताया कि टीम ने प्रतापपुरा के एक होटल की पार्किंग से भरतपुर, राजस्थान के गांव चिकसाना निवासी कृष्णा उर्फ करतार उर्फ कृष्ण अवतार को गिरफ्तार किया है। वह सदर थाना क्षेत्र के रोहता चौराहे के पास स्थित विनायक गार्डन में किराये के मकान में रह रहा था।

22 जुलाई 2023 को भरतपुर के अमोली टोल प्लाजा के पास पुलिस अभिरक्षा में कुलदीप जगीना की हत्या करने वाले आरोपियों को हथियार इसी कृष्ण अवतार ने दिए थे। नवंबर 2023 में एसटीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तब वह 50 हजार रुपये का इनामी था। पूछताछ में आरोपी ने हथियार खरीदने और बेचने वाले कई लोगों के नाम भी बताएं हैं। वह मथुरा के हाथिया में रहने वाले मेवों से हथियार लेकर आता है। आर्डर मिलने पर सप्लाई करता था।

कार में टक्कर से नाराज युवक ने डंपर को रोका, चालक ने रौंदकर मार डाला, साथी बदहवास, जांच शुरू

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर थाना क्षेत्र के अज्योरी गांव के पास हाईवे पर मंगलवार को डंपर ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर मारकर भाग रहे डंपर का कार चालक का पीछा करने पर चालक ने कार चालक को कुचल दिया और मौके से भाग निकला। वहीं, अपनी आंखों के सामने साथी की हत्या होते देख कार में बैठा साथी बदहवास हो गया। मवई भच्छन निवासी महेंद्र पाल उर्फ भानु प्रताप सिंह (38) गांव के ही अवध बिहारी तिवारी के बेटे मोहित के साथ जनपद बांदा के कनवारा स्थित ससुराल पत्नी और बच्चों को छोड़ने गए थे। वहां से मंगलवार की दोपहर दोनों कार से लौट रहे थे। थानाक्षेत्र के दुर्गा देवी मंदिर मोड़ पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने ओवरटेक करते समय कार में टक्कर मार दी। डंपर का पीछा कर अज्योरी गांव के पास पहुंचे कार सवार महेंद्र गाड़ी खड़ी कर डंपर को हाथ देकर रुकने का इशारा करने लगे।

मुंबई से कट्टा मंगवा लिया है... पार्षद को मार देंगे गोली, दी धमकी- नाराज पार्षदों ने की बैठक

गोरखपुर, एजेंसी। तिवारीपुर क्षेत्र के कल्याणपुर वार्ड के पार्षद शिवेंद्र मिश्रा को मुंबई से असलहा मंगाकर जान से मारने की धमकी देने के मामले को भाजपा पार्षदों ने गंभीरता से लिया है। बुधवार को पार्षद सभागार कक्ष में सभी पार्षदों की बैठक हुई। पूर्व उपसभापति ऋषि मोहन वर्मा ने कहा कि पार्षद स्थानीय जनता के लिए ही नगर निगम से लेकर अन्य जगह संघर्ष करता है, उसका व्यक्तिगत कुछ नहीं होता है।

लेकिन, जिस तरीके से पार्षद के साथ मनबढ़ों ने दुर्व्यवहार किया है और सभी उचित पटल पर शिकायत करने के बाद भी पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं है। इस दौरान भाजपा के पार्षद एक साथ बैठक में शामिल रहे।

दरअसल, मामले में सोमवार को पार्षद की तरफ से तहरीर मिलने पर तिवारीपुर पुलिस ने प्रदीप सिंह और मुकेश सिंह के खिलाफ धमकी देने व गाली गलौज करने का केस दर्ज किया है। शिवेंद्र मिश्रा ने तहरीर देकर बताया है कि कॉलोनी में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। मैं इसका निरीक्षण लगातार कर रहा था।

आरोप है कि वहां रहने वाले प्रदीप सिंह अपने रिश्तेदार मुकेश सिंह सोमवार को सड़क निर्माण निरीक्षण के दौरान धमकी दी और हाथापाई की कोशिश की। पार्षद शिवेंद्र मिश्रा ने आरोप लगाया कि मनबढ़ों ने मुंबई से असलहा मंगाकर जान से मारने की धमकी भी दी।

आरोप लगाया कि पहले तो पुलिस ने हल्की धाराओं में केस दर्ज कर लिया। इसके बाद घंटे भर के लिए आरोपी को थाने पर बुलाया और आराम से कानूनी कार्रवाई कर उसे वापस जाने दिया। वापस जाने से उन्हें डर सता रहा है कि कहीं रात-बिरात उनके साथ कोई घटना न हो जाए। इस संबंध में तिवारीपुर थाना प्रभारी गौरव वर्मा ने बताया है कि पार्षद की तहरीर पर दो आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रमोद निगम हत्याकांडः माफिया मुख्तार के शूटर को मिली सजा

लघुशंका करने से रोकने पर मारी थी गोली; 12 गवाह पेश

वाराणसी, एजेंसी। अपर सत्र न्यायाधीश पंचम यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने राष्ट्रीय फेरी-पटरी ठेला व्यवसायी संगठन के संस्थापक प्रमोद निगम की हत्या के दो दोषियों शेषनाथ शर्मा और नंदलाल राय उर्फ बबलू राय को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आठ साल पहले इंग्लिशिया लाइन तिराहा से मलदहिया मार्ग पर लघुशंका करने से मना करने पर नंदलाल राय ने व्यवसायी प्रमोद निगम की गोली मारकर हत्या कर दी थी। नंदलाल की पहचान माफिया मुख्तार अंसारी के गिरोह के शूटर के रूप में रही है।

अदालत ने नंदलाल पर 60 हजार और शेषनाथ पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने जुर्माने की धनराशि में से 50 प्रतिशत प्रमोद निगम के पुत्र अभिषेक निगम को देने का आदेश दिया है। प्रमोद की हत्या आठ साल पहले हुई थी।

शेषनाथ शर्मा वाराणसी के मिर्जामुराद थाने के खालिसपुर गांव का मूल निवासी है। वह चंदुआ छित्तूपुर में रहता है। राजेंद्र विहार कॉलोनी, नेवादा की लेन नंबर-3 में रहने वाला नंदलाल राय उर्फ बबलू राय गाजीपुर जिले के करीमुद्दीनपुर थाने के जोगामुसाहिब गांव का मूल निवासी है।

प्रमोद ने मारे थे पांच थप्पड़, आहत था- नगर निगम ने प्रमोद निगम को स्वच्छता दूत नामित किया था। वह जवाहर मार्केट में अपना ठेला लगाते थे। 17 जनवरी 2017 की शाम बीयर पीने के बाद नंदलाल जवाहर मार्केट में लघुशंका कर रहा था। दुकानदारों ने मना किया तो उसने गालीगलौज की। मामला बढ़ा तो प्रमोद निगम ने नंदलाल को चार-पांच थप्पड़ जड़ दिए।

पुलिस की पूछताछ में नंदलाल ने बताया था कि थप्पड़ से वह आहत हो गया था। तय किया था कि प्रमोद को सबक सिखाएगा। वह जवाहर मार्केट से राजेंद्र विहार कॉलोनी स्थित अपने घर गया और वहां से पिस्टल लेकर शेषनाथ के पास पहुंचा।

शेषनाथ को पूरी बात बताकर अपने साथ लिया। शाम 7:30 बजे के वह इंग्लिशिया लाइन तिराहा से मलदहिया मार्ग की ओर जा रहे प्रमोद निगम के पीछे बाइक से चल पड़ा। कुछ दूर चलते ही उसने प्रमोद निगम को दो गोली मारी और मलदहिया की ओर भाग गया था।

न्यायपालिका के प्रति और ज्यादा अटूट होगा भरोसा- राष्ट्रीय फेरी-पटरी ठेला व्यवसायी संगठन के सचिव अभिषेक निगम ने कहा कि इस फैसले से आम आदमी का भरोसा न्यायपालिका के प्रति और ज्यादा अटूट होगा। कहा कि वह न्यायपालिका के साथ ही मोदी-योगी सरकार के आभारी हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी की जमानत पर 21 को सुनवाई- एडीजे / एफटीसी-प्रथम कुलदीप सिंह की अदालत में मंगलवार को खजुरी इलाके की युवती से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी अनमोल गुप्ता की जमानत अर्जी पर सुनवाई नहीं हो सकी। अब 21 अप्रैल को सुनवाई होगी। अभियोजन की ओर से एडीजीसी (फौजदारी) ने अदालत में आवेदन दिया।

गोरखपुर नगर निगम का दावा

रीड साहब धर्मशाला और बसंत सराय हमारी संपत्ति

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर रीड साहब धर्मशाला और बसंत सराय को संरक्षित स्मारक घोषित करने पर नगर निगम ने आपत्ति दर्ज कराई है। निगम का कहना है कि ये संपत्ति उसकी है और इसका मालिकाना हक उनके पास ही रहना चाहिए। हालांकि पुरातत्व विभाग इसे संरक्षित करना चाहता है। अब इस चक्कर में दोनों स्थलों के सुंदरीकरण का मामला अटक गया है।

प्रदेश सरकार के संस्कृति अनुभाग ने राज्यपाल की स्वीकृति के बाद इसकी प्रथम अधिसूचना जारी कर दी थी। 17 जनवरी की जारी अधिसूचना को कमिश्नर अनिल ढींगरा की सहमति के बाद पांच फरवरी को दोनों ही ऐतिहासिक स्मारकों पर चस्पा किया गया था। इसके बाद से नगर निगम ने इस पर आपत्ति दाखिल की है, जिस पर पुरातत्व विभाग विचार कर रहा है।

तहसील सदर में मौजा बसंतपुर खास, परगना हवेली स्थित बसंत सराय (रैन बसेरा) राजस्व गाटा संख्या 435, 436 और 438 में क्रमशः 0.110, 0.262 और 0.118 हेक्टेयर में स्थित है। इसके अलावा तहसील सदर मौजा अलहदादपुर परगना हवेली में रीड साहब धर्मशाला राजस्व गाटा संख्या 42 और 43 में क्रमशः 0.224 और 0.395 हेक्टेयर रकबा में स्थित है।

569 साल पुराना बसंतपुर सरायः सतासीराज के राजा बसंत सिंह ने वर्ष 1456 में बसंतपुर किले का निर्माण कराया। सन 1688 में औरंगजेब ने काजी खलीलुर्रहमान, गोरखपुर को चकलेदार नियुक्त किया। उसने सतासी के राजा को बेदखल कर दिया। बसंतपुर किले में मुगल चौकी बना पल्टन रहने लगी। इस किले का कुछ हिस्सा खलीलुर्रहमान ने कैदियों के लिए कारागार के रूप में काम में लाया। वर्ष 1801 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने इस कैदखाने का नाम मोती महल रखा। वर्तमान में यह किला पुराना होने के बावजूद मजबूती से खड़ा है। इसका परकोटा सुरक्षित एवं दर्शनीय है। पांच फरवरी 20003 को इसे नगर निगम को रैन बसेरा के नाम पर फ्री होल्ड किया गया।

धन वर्षा गिरोहः तंत्र क्रिया गैंग का एक और सदस्य पकड़ा, मोबाइल पर मिली थी महिलाओं की वीडियो, करते थे यौन शोषण

मुरादाबाद , एजेंसी। धन वर्षा के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया है। आरोपी के पास से मिले मोबाइल में धनवर्षा तांत्रिक क्रिया के लिए लड़कियों की फीते से नापते हुए वीडियो व धनवर्षा कराते हुए की व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो का आदान प्रदान और कई वीडियो रिकॉर्डिंग पाई गई हैं। पैरों का मिलान, हाथों का मिलान करते जैसे कई वीडियो मिली हैं। आरोपी खेती छोड़ अधिक पैसा कमाने के लालच में धन वर्षा गिरोह से जुड़ा था। 21 मार्च को थाना धनारी पर राजपाल द्वारा सूचना दी गई कि 11 मार्च को वह अपनी मां की कमर दर्द का इलाज कराने के लिए लाखन के पास गया था। झांसा देकर लाखन व रिंकू, अजय सिंह व दुर्जन नरौरा ले गए। जहां वह लोग एटा में संतोष व शिवम के साथ जबरन आगरा में अज्ञात जगह पर ले गए। जहां उसके हाथ पैर बांध कर तांत्रिक क्रिया की जा रही थी। इसी दौरान वह किसी तरह वहां से निकल कर दो दिन बाद घर पहुंचा। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया। जांच के दौरान पुलिस ने नामजद सहित 14 आरोपियों में रिंकू, अजय, संतोष, दुर्जन से जब पूछताछ की गई व उनके मोबाइल खंगाले तो यह पाया गया कि सभी अंतरराज्यीय धन-वर्षा ठगी गिरोह के सदस्य हैं जो कि तांत्रिक क्रिया से धन वर्षा (नोटों की बारिश) का झांसा देकर भोले भाले गरीब परिवार की लड़कियों व लड़कों की तस्करी कर यौन शोषण करते हैं और वन्य जीव की तस्करी भी करते हैं।

श्रीरामभद्राचार्य महाराजः संभल में 40 फीसदी हिंदू विरोधी, कल्कि अवतार के साथ सनातन विरोधियों का होगा विध्वंस

संभल , एजेंसी। जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज ने मंगलवार को संभल के बहजोई में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर दीक्षा दी। इसके बाद वह मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने संभल से अपने विशेष नाते की बात करते हुए कहा कि संभल भगवान कल्कि की जन्मभूमि है।

यहीं उनका अवतार होगा। यही हमारा पहला नाता है इस भूमि से। उन्होंने कहा कि दशम अवतार भगवान कल्कि का जन्म संभल में ही होना है। उनकी पत्नी पद्मावती होंगी। जगद्गुरु ने कहा कि जो लोग सनातन धर्म के विरोधी हैं, भगवान कल्कि उनका विध्वंस करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि आज भी संभल में

विरोधी हैं। जगद्गुरु ने बताया कि उनके शिष्य डीएम राजेंद्र पैंसिया ने संभल में खुदाई कराई थी। उन्होंने कहा कि बहुत छलावे तक उनके ऊपर लगे, लेकिन भगवान ने सब समाधान कर दिया। खुदाई बहुत अच्छी हुई। मुझे तो संभल बहुत अच्छा लगा। अयोध्या के बाद संभल में कब काम होगा, इस सवाल पर जगद्गुरु ने कहा कि तुरंत। काशी, मथुरा और संभल, सब तीनों चकाचक। उसी समय, फटाफट। हिंदू धर्म के वर्तमान समय को लेकर जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य ने कहा कि यह काल हिंदू धर्म के लिए बहुत अच्छा है। यह स्वर्णिम शताब्दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के भविष्य पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अभी बहुत कुछ होगा। गंगा-जमुना की अविरल धारा होगी। हिंदी राष्ट्रभाषा होगी। रामचरितमानस राष्ट्रीय ग्रंथ होगा। गोमाता राष्ट्रीय धरोहर होंगी। बहुत कुछ हो रहा है और भारत कम से कम तीसरी अर्थव्यवस्था बन

संभल हिंसाः जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली को मिली जमानत, एएसआई के दर्ज मुकदमों में सुनवाई

मंगलवार को मोहल्ला संभल रोड स्थित अस्थायी आवास पर जगद्गुरु श्रीराम भद्राचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं को दर्शन दिए और दीक्षा दी। सीआईएसएफ के सेवानिवृत्त डीआईजी शिवकुमार वार्ष्णेय की देखरेख में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से दर्शन किए।

यह क्रम करीब एक घंटे तक चला। सीएमओ डॉ. तरुण पाठक ने परिवार संग जगद्गुरु के दर्शन किए। वहीं, जेई अमित कटारिया और पीए सुनील कुमार समेत अनेक श्रद्धालुओं ने भी दर्शन कर दीक्षा ली। इसके बाद क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी भी जगद्गुरु के दर्शन के लिए

नोएडा ने पूरे किए गौरवशाली 49 वर्ष, 50वें स्थापना वर्ष में उत्साहपूर्वक प्रवेश

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा, 17 अप्रैल 2025 – 17 अप्रैल 1976 को अस्तित्व में आया नोएडा आज अपनी विकास यात्रा के 49 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण कर 50वें स्थापना वर्ष में ऐतिहासिक प्रवेश कर चुका है। इस विशेष अवसर पर नोएडा प्राधिकरण ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. के नेतृत्व में विविध सामाजिक और जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया, जो शहर के समावेशी और सतत विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

कम्यूनिटी किचन पर भोजन वितरण:
सेक्टर-49 स्थित लेबर चौक पर संचालित कम्यूनिटी किचन में लोकेश एम. ने स्वयं पहुंचकर भोजन वितरण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह रसोई पिछले एक वर्ष से चल रही है और स्थापना दिवस पर इसे विशेष रूप से सक्रिय किया गया। कम्यूनिटी किचन के संचालन हेतु CSR फंड से ₹47 लाख और प्राधिकरण अधिकारियों/कर्मचारियों से ₹7.10 लाख का योगदान प्राप्त हुआ, जिससे कुल ₹54 लाख की सहयोग राशि एकत्र हुई।

वाटर ए.टी.एम. का शुभारंभ:
ग्राम चौड़ा और सेक्टर-24 (एरक हॉस्पिटल के पास) में दो

अत्याधुनिक वाटर ए.टी.एम. का उद्घाटन लोकेश एम. द्वारा किया गया। ये मशीनें कैनरा बैंक के CSR फंड से स्थापित की गई हैं। अब शहर में कुल 7 वाटर ए.टी.एम. कार्यशील हो चुके हैं। इनकी प्रमुख विशेषताएं हैं: RO-UV और ओजोनेटर आधारित फि ल्टरेशन, 1200 लीटर/घंटा की क्षमता, निःशुल्क पेयजल और कार्ड आधारित वेंडिंग प्रणाली।

आंगनबाड़ी केंद्रों में खिलौनों का वितरण:
ग्राम निठारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को स्लाइड्स, सी-सॉ, रॉकर, फुटबॉल, चॉकलेट, वाटर बॉटल, लंच बॉक्स, रंग भरने की किताबें, इंटरलॉकिंग ब्लॉक गेम्स और स्टोरी बुक्स जैसे उपहार वितरित किए गए। यह पहल ह्लखुशहाल बचपन, उज्ज्वल भविष्यह्व की सोच को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। साथ ही, शहर के 10 अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों में भी इसी प्रकार की सामग्री वितरित की गई।

प्रेस वार्ता और सांस्कृतिक कार्यक्रम:
दिनभर के आयोजनों के उपरांत एक प्रेस वार्ता में प्राधिकरण द्वारा नोएडा की अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की परियोजनाओं की जानकारी साझा की गई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय प्रतिभाओं ने भाग लिया। नोएडा प्राधिकरण ने इस अवसर पर समस्त नागरिकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में एक समावेशी, स्मार्ट और गरिमामय नोएडा के निर्माण हेतु निरंतर सहयोग की कामना की।

अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता के निर्देश पर अस्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गयी

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतमबुद्धनगर : नगर पालिका परिषद दादरी द्वारा अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता के निर्देश पर एवं जयपाल सिंह अवर अभियंता के नेतृत्व में नवीन सब्जी मंडी, जी टी रोड पर सड़क किनारे किये गये अस्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गयी । सुश्री शालिनी गुप्ता ने बताया कि रोड पर नोन वेन्डिंग जोन में अस्थायी रूप से दुकानदारों/ फड़ और ठेले लगा ली जाती है, जिससे आने-जाने वाले सामान्य नागरिको को परेशानी का सामना करना पडता है एवं यातायात व्यवस्था भी बाधित होने से समस्या उत्पन्न होती है। जिन स्थानो से अतिक्रमण हटाया जायेगा पुलिस विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उन स्थानों पर पुनः अतिक्रमण न होने पाये एवं अतिक्रमणकताओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। आज पालिका द्वारा अतिक्रमण पर 2000 रुपए और 2000 रुपए पॉलीथिन पर जुमार्ना वसूल किया गया । अवर अभियन्ता द्वारा बताया गया कि अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान में अवर अभियन्ता जयपाल सिंह एवं उत्कर्ष सिंह, रामप्रवेश पाल, सोहराब, सोबीर, बिजेंद्र, विक्रम, राजीव, राहुल,रविन्द्र,इमरान इत्यादि कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्कॉलर-डे समारोह में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में 16 व 17 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय विशेष स्कॉलर-डे समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्र 2024-25 में नर्सरी से कक्षा 9 एवं 11 तक शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया गया।समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा एवं कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती को नमन करते हुए किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में “मम्मा और पापा धन्यवाद”, “त्वमेव माता”, पंजाबी नृत्य एवं “जैसे सूर्य की किरण” जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में पधारे सभी अभिभावकों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। दोनों दिवसों में आयोजित इस समारोह के पहले दिन नर्सरी से कक्षा पाँच तक तथा दूसरे दिन कक्षा 6 से 9 एवं 11 के छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र, मैडल एवं विशेष उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षा के महत्व को दशार्ते हुए नाट्य प्रस्तुति एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्धक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि निरंतर परिश्रम व अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर होने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय में संचालित नवाचार युक्त शिक्षण प्रणाली, उद्यमिता कौशल, कौशल विकास की परियोजनाओं एवं सी.बी.एस.ई. की नई शिक्षण प्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, डिजिटल टूल्स और इंटरैक्टिव लर्निंग को अपनाया गया है ताकि छात्रों की रुचि, क्षमता और गति के अनुसार उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके। इसके साथ ही विद्यार्थियों को रोजगार परक बनाने हेतु उद्यमिता कौशल जैसे बिजनेस मॉडल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल लिटरेसी और नवाचार से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।डॉ. दीप्ति शर्मा ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भाषायी दक्षता एवं जीवन कौशल जैसी परियोजनाएं छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बना रही हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सी.बी.एस.ई.द्वारा लागू की गई नई शिक्षण प्रणाली जैसे कंपिटेंसी बेस्ड एजुकेशन, होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड और मल्टी-डायमेंशनल असेसमेंट पर भी प्रकाश डाला।विद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित यह समारोह छात्र-छात्राओं के मनोबल को सुदृढ़ करने के साथ-साथ अभिभावकों एवं शिक्षकों के सहयोग का प्रतीक बनकर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

आप यूथ विंग गोतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष बने गौरव गोतम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आप युथ विंग प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना पर गौरव गोतम के नेतृत्व में गौरव गौतम व सैकड़ों नौजवानों को राज्यसभा सांसद संजय सिंह के हाथों शामिल कराया साथ ही गोतम बुद्ध नगर युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। आगे अवाना ने कहा पूरे प्रदेश भर में बड़ती नौजवान बेरोजगारी से परेशान है, योगी सरकार रोजगार के मामले में पूरी तरीके से फैल है।आगे श्री अवाना ने 26 अप्रैल को हो रहे लखनऊ में प्रादेशिक कार्यकर्ता सम्मलेन में हजारों की संख्या में पुरे प्रदेश भर से नोवजन शामिल होंगे।आगे श्री अवाना ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह, पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान, मनीष सिसोदिया जैसे बड़े नेता शामिल होंगे।आप यूथ विंग जिलाध्यक्ष गोरव गोतम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल सहित राष्ट्रीय नेतृत्व प्रदेश नेतृत्व व प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की विचार धारा कों पूरे गौतम बुद्ध नगर के एक-एक गली मोहल्ले में पहुंचाएंगे। जिला अध्यक्ष राकेश अवाना और जिले के पदाधिकारीएवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, युवा नेता गुड्डू यादव,युवा नेता धीरज सोनी,आदि सिंह, सुमित,तुषार यादव,आर्य सिंह,रितेश,सागर मिलिंद,शिवम् जेवर,रोहित चौधरी उज्वल डेढ़ा ,आदित्य यादव सहित सैकड़ों की संख्या में आम आदमी में शामिल हुए।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किसानों पर किए जा रहे अत्याचार और भ्रष्टाचार की स्थिति अत्यंत गंभीर और स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा : मैं, ग्राम सिरसा का पूर्व प्रधान प्रकाश भाटी, यह कहना चाहता हूँ कि मेरे ग्राम सिरसा की जमीन का अधिग्रहण वर्ष 2008 में ‘अर्जेंसी क्लॉज’ लगाकर कर लिया गया था। लेकिन 6% आबादी भूखंड का आवंटन 17 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं किया गया। बार-बार प्राधिकरण के चक्कर लगाने के बावजूद जब कोई समाधान नहीं निकला, तो मैंने माननीय हाई कोर्ट प्रयागराज की शरण ली और एक रिट दायर की (रिट संख्या 11790/2024)। दिनांक 2 मई 2024 को माननीय हाई कोर्ट ने मेरे पक्ष में आदेश पारित करते हुए प्राधिकरण को निर्देश दिया कि प्रार्थी को शीघ्र ही भूखंड आवंटित किया जाए। इसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की गई। लगभग 8 महीने तक चक्कर लगाने के बाद मैं दोबारा हाई कोर्ट गया और अवमानना याचिका (Contempt) दाखिल की।
माननीय हाई कोर्ट ने इस याचिका को

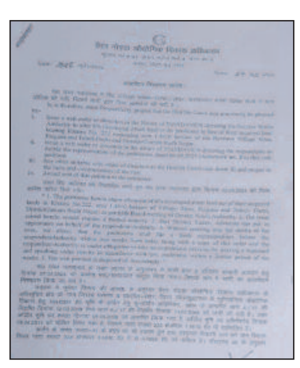

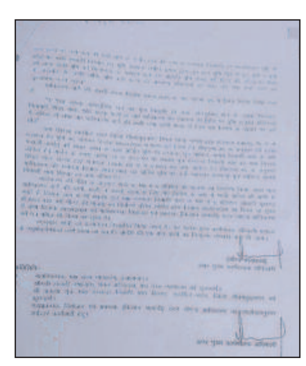

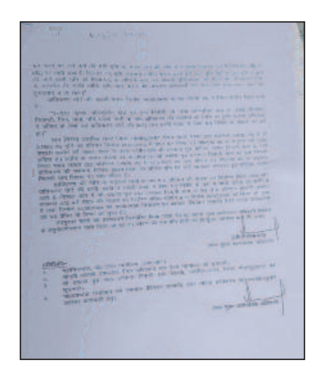

गंभीरता से लेते हुए दिनांक 19 फरवरी 2025 को आदेश पारित किया कि दो महीने के भीतर प्रार्थी को भूखंड आवंटित किया जाए। आदेश की प्रतिलिपि 20 फरवरी 2025 को मुख्य कार्यपालक अधिकारी के कार्यालय में जमा कर दी गई थी। आदेश को देखते हुए एक प्रत्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया जिसे निस्तारित भी कर दिया गया, लेकिन आज तक भूखंड आवंटित नहीं किया गया। इसके बाद भी कई बार प्रयास किए गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। सक्षम अधिकारी किसानों से मिलने में असमर्थता जताते हैं और अपने कार्यालय में बैठे रहते हैं, किंतु किसानों से संवाद स्थापित करने की इच्छा नहीं दिखाते। भ्रष्टाचार और अत्याचार की इस स्थिति को देखते हुए मैंने माननीय मुख्यमंत्री, लखनऊ को पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई। संदर्भ संख्या 40014125012459 है। मुख्यमंत्री ने इस शिकायत को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण को अग्रेषित कर दिया, लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। आज दिनांक 17 अप्रैल 2025 को मैंने प्राधिकरण के नियोजन विभाग के अधिकारी सुधीर कुमार से भूखंड आवंटन के संबंध में संपर्क किया, तो उनका उत्तर था– "पैसे दो और भूखंड लो। हम किसी कोर्ट का आदेश नहीं मानते।" उन्होंने धमकी भी दी। सक्षम अधिकारी मिलने को तैयार नहीं हैं और किसानों की आपत्तियों को अनदेखा किया जा रहा है। अब मैं अपनी इस पीड़ा को टीवी चैनलों के माध्यम से उजागर करूंगा और कुछ अधिकारियों को पार्टी बनाकर पुनः माननीय हाई कोर्ट की शरण लूंगा।

यमुना प्राधिकरण का नया केंद्रीय कार्यालय बनेगा विकास का प्रतीक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर: यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारीडॉक्टर अरुण वीर ने बताया कि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) का नया केंद्रीय कार्यालय अब आधुनिकता और नवाचार का प्रतीक बनकर उभर रहा है। सेक्टर-18, गौतम बुद्ध नगर में बनने वाली यह अत्याधुनिक बिल्डिंग अपने अनोखे आर्किटेक्चर और भव्य डिजाइन के कारण पहले ही सुर्खियों में है। इस कार्यालय भवन की विशेष बात इसका अभिनव वास्तुशिल्प है, जिसमें ग्लास और स्टील का बेहतरीन तालमेल देखने को मिलता है। सामने से देखने पर यह भवन एक विशाल और सशक्त संरचना के रूप में नजर आता है, जो प्राधिकरण की सशक्त और

पारदर्शी कार्यप्रणाली का प्रतीक है। इसकी छत पर बना गोलाकार सनशेड न केवल ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि इसे एक पर्यावरण अनुकूल इमारत भी बनाएगा। इस केंद्रीय कार्यालय में प्राधिकरण के सभी प्रमुख विभागों को एक ही छत के नीचे लाया जाएगा, जिससे जनता को बेहतर और त्वरित सेवाएं मिल सकेंगी। भवन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग रूम्स, और डिजिटल सेवा केंद्र भी होंगे, जो ‘डिजिटल इंडिया’ मिशन को मजबूती प्रदान करेंगे। यह नया कार्यालय भवन न सिर्फ एक सरकारी दफ्तर होगा, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास और प्रशासनिक प्रगति का भी एक प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

सम्वेदना फाउंडेशन्स ने मनाया तीसरा वार्षिक दिवस सफरनामा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में सक्रिय संस्था सम्वेदना फाउंडेशन्स ने अपना तीसरा स्थापना दिवस शीरोज कैफे सेक्टर 21 मे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया।जिसमें समाजसेवा, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विमला बाथम, विशिष्ट अतिथि नवरत्न फाउंडेशन्स के अध्यक्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव, त्यागराजा म्यूजिक एंड डांस सेंटर की संस्थापक राजेश्वरी, श्रीजी क्राफ्ट्स के सीईओ विक्रम चौहान तथा डॉ. सोनिया खुराना (सीनियर डेंटल कंसल्टेंट, मेट्रो हॉस्पिटल) मंच पर मौजूद रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में नोएडा साइबर क्राइम ब्रांच की टीम, स्वस्तिक सहारा के ब्यूरो वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पांडेय, उज्वल उन्नति फाउंडेशन संस्थापक दीपा देवी, खुशी उन्नति फाउंडेशन संस्थापक सरिता रघुवीर सिंह, दिव्य तरंग संस्थापक विक्की यादव, सोनिया चड्ढा, अन्नू पिपलानी, गरिमा सिंह, आर.बी. सिंह, मिरनाल सहित कई सम्मानित अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिसे आदिति चौहान ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, पौधा, और एक विशेष गौरैया का घोंसला भेंट कर किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण में संस्था की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस खास मौके पर सम्वेदना की तीन वर्षों की

यात्रा को समर्पित स्मारिका ह्यसफरनामाह्व का विमोचन किया गया, जिसमें संस्था के विविध अभियानों और सामाजिक योगदान को रेखांकित किया गया है। सम्वेदना ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं विक्की यादव की संगीतमय प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम को सरस बना दिया। मुख्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक विचारों से समाज सेवा, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया।समारोह के अंत में बच्चों को सुंदर उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संस्था की टीम संस्थापक श्वेता गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रतिभा कुलश्रेष्ठ, कार्यकारिणी सदस्य अंजू कंधारी, मुख्य सलाहकार श्याम गुप्ता, सलाहकार ममता चौहान, अंजलि, पूजा पाल, मनोज सहित सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

बस चालक की गलती से स्कूल की बजाए अस्पताल पहुंचे बच्चे

फ्यूचर लाइन टाईम्स--नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बस चालक की गलती से एक स्कूल बस चार मूर्ति गोलचक्कर के पास डिवाइडर पर चढ़ गई। डिवाइर पर चढ़कर बस एक पेड़ व खंभे से टकरा गई। घटना में बच्चों सहित चार लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने उपचार के लिए बच्चों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य बच्चों को दूसरी बस से स्कूल भेजा गया। घटना के कारण कुछ देर के लिए जाम लग गया। वाहन को वहां से हटाकर जाम खुलवाया गया।पुलिस ने बताया कि ब्लूम पब्लिक स्कूल गाजियाबाद की बस बच्चों को लेकर जा रही थी। बस में लगभग 20 बच्चे सवार थे। सुबह लगभग साढे आठ बजे बस अनियंत्रति होकर चार मूर्ति गोलचक्कर के पास डिवाइडर पर चढ़ गई। घटना में बस में सवार 4 बच्चे मामूली रूप से घायल हो गए। साथ ही बस का चालक व हेल्पर भी घायल हो गया।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटी में प्रीपेड मीटर से काटा गया पैसा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी-1 स्थित एवेन्यू-4 सोसायटी में अनियमितताओ का आरोप स्थानीय निवासियों ने अपार्टमेंट आनर्स एसोसिएशन (एओए) पर लगाए हैं। प्रीपेड मीटर से पैसा काटा जा रहा है। पूछने पर एओए की ओर से गूगल ग्रुप ईमेल आईडी पर ब्लॉक किया गया। चुनाव के दौरान अनियमितताएं हुईं। डिफाल्टर को वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार मिला। चुनाव जीतकर एओए बोर्ड में शामिल भी हुए। निवासियों की ओर से गंभीर आरोप एओए पर लगाए गए हैं।निवासी कृष्ण कुमार अग्रवाल ने बताया कि उनके प्रीपेड मीटर से एक दिन में 4016 रुपये कट गए। एओए की ओर से रुपये कटने का विवरण भी नहीं दिया गया। सोसायटी में पेंट कार्य का 64 लोगों ने भुगतान नहीं किया है। यह सभी डिफाल्टर सूची में शामिल थे और नियमानुसार वोट करने का अधिकार नहीं था।

किसानों ने यमुना प्राधिकरण के ओएसडी सौंपा ज्ञापन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। किसान एकता महासंघ कार्यकताओं ने यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौधरी ने बताया कि दनकौर अनाज मंडी में हाई मास्क लाइट लगवाने के लिए 30 जुलाई 2024 संगठन द्वारा मांग की गई थी जिसकी स्वीकृति हो चुकी है। लेकिन प्राधिकरण ने 9 महीने बीतने के बाद भी लाइट लगवाने की प्रकिया शुरू नहीं की गई। किसानों ने जल्द से जल्द दनकौर अनाज मंडी में हाई मास्क लाइट लगवाने के लिए यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। क्योंकि इस समय मंडी में किसान अपनी अनाज की फसल को बेचने के लिए मंडी में आना शुरू हो गया है। अंधेरा होने के कारण किसानों को जहरीले जीवो के काटने का खतरा बना रहता है।किसान की फसल तुलाई में एक-एक सप्ताह का समय लग जाता है।इस मांग को लेकर यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह द्वारा जल्द से जल्द मंडी परिसर में हाई मास्क लाइट लगवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर रमेश कसाना,अमित नागर,राकेश चौधरी, अरविंद सेक्रेटरी,सोनू कसाना,सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

यातायात नियमों का पालन हो तो असामयिक मौतों को रोका जा सकता है : उमेश यादव

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : जेवर क्षेत्र यातायात एसीपी उमेश यादव ने कहां है कि यदि किसी भी वहां को चलाने में यातायात नियमों का पालन किया जाए तो आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में चला चालकों की होने वाली असामयिक मौतौ में कमी आ सकती है उमेश यादव ने बताया कि यातायात विभाग द्वारा अनुशासित यातायात, सुरक्षित नागरिक अभियान चलाया हुआ है इसका उद्देश्य

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है सोमवार को किसी उद्देश्य से दनकौर थाना क्षेत्र के खेरली नहर किराए पर उनके नेतृत्व में नोएडा ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक विशेष यातायात जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया गया है इस मौके पर अउढ यातायात श्री उमेश यादव के साथ ळक/ळरकराजेंद्र दीक्षित, हेड कांस्टेबल रोनी, नितिन , अनूप कुमार , करणवीर सिंह द्वारा खुर्जा अंडरपास व जेवर में भी अभियान चलाया गया चलाया गया । एसीपी ट्रैफिक ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल चालान करना नहीं है, बल्कि नागरिकों में एक ऐसी सोच विकसित करना है जिससे वे स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन कर हम अनेक कीमती जानें बचा सकते हैं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख चौराहों, विद्यालयों एवं यातायात संकुल स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, प्रेशर हॉर्न ,शराब पीकर वाहन चलाने, नाबालिग चालकों, बिना वैध दस्तावेज के वाहन, वाहनों पर काली फि ल्म लगाने , क्षमता से अधिक सवारी बैठाने और ओवर स्पीडिंग जैसे मामलों में कार्रवाई की गई।मौके पर 52 चालान लगभग 126000 ₹ के किए गए तथा एक वाहन सीज किया गया। नोएडा ट्रैफिक पुलिस द्वारा यह अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेगा ताकि शहर में एक सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग, अधिवक्ता सभा ने सौंपा ज्ञापन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस मामले में अधिवक्ता एवं समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष विनीत कुमार यादव एडवोकेट ने थाना सूरजपुर में एक शिकायती पत्र सौंपा और संबंधित युवक तथा उसके साथ मौजूद अन्य व्यक्तियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। विनीत यादव ने अपने शिकायती पत्र में

उल्लेख किया कि 12 अप्रैल 2025 को एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक खुलेआम उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देता नजर आया। यह वीडियो न केवल एक आपराधिक प्रवृत्ति को उजागर करता है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने का भी प्रयास है। विनीत यादव ने कहा कि यदि ऐसे असामाजिक तत्वों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो माहौल और अधिक बिगड़ सकता है। उन्होंने वीडियो की जांच कर आरोपी युवक और अन्य साथियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव राकेश गौतम एडवोकेट, प्रदेश सचिव अजय यादव, महासचिव सुनील नागर इमलिया, उपाध्यक्ष रामकुमार चौधरी, सचिव उपेन यादव, जॉनी यादव और अनिल नागर एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे। समाजवादी अधिवक्ता सभा ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन किया जाएगा।

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

संतोष कुमार पाठक

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीजा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्ज़ा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्ज़ा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफन टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हजारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम ह्यस्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासतह्न है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

संपादकीय

बिहार में राजनीतिक मंथन

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही हैं, वहां के विभिन्न जाति समूह, हित समूह अपनी शक्तियों का अधिकतम उपयोग करने के लिए अपने को फिर से स्थापित करने लगे हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को जो खरोंच लगी थी, उसकी भरपाई हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव में हो गई। अब सभी की नजर बिहार पर है जहां इस वर्ष विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। भाजपा एनडीए का प्रमुख घटक दल है। बिहार में वह पिछले दो दशकों से जनता दल (यू) की जूनियर पार्टनर के रूप में काम करती रही है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार वह ड्राइविंग सीट पर रहना चाहती है। भले ही चुनाव आयोग ने अभी बिहार में चुनाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ गई है। मंगलवार को दिल्ली में महागठबंधन के घटक दल राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के नेताओं की मुलाकात हुई। उधर, पिछले महीने गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय बिहार दौरा हुआ था। इस महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार जाने वाले हैं। राजनीतिक दलों और गठबंधनों की सक्रियता के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पारस) एनडीए से अलग हो गई। इस राजनीतिक घटनाक्रम का बिहार विधानसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा अभी कहना मुश्किल है, लेकिन इतना कयास अवश्य लगाया जा रहा है कि बिहार की राजनीति में यह लहरें पैदा कर सकता है। लोगों को याद होगा कि राम विलास पासवान के निधन के बाद उनके भाई पशुपति पारस ने शतरंज की ऐसी बिसात बिछाई थी जिसमें चिराग पासवान उलझ गए थे। पार्टी के सभी सांसद चिराग से अलग हो गए थे। लेकिन देश की राजनीति में हाशिये पर चले गए चिराग 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद एक नई ताकत के रूप में उभरे हैं। भाजपा ने चिराग के गुट को लोक सभा की 5 सीटें दीं और पांचों प्रत्याशी चुनाव जीत गए। अब सवाल उठता है कि क्या राष्ट्रीय जनता दल के इशारे पर पशुपति पारस एनडीए से अलग हो गए। जाहिर है कि एनडीए में वह पूरी तरह अलग-थलग पड़ गए थे। राजद, कांग्रेस और वामदलों के महागठबंधन में ऐसे दलित चेहरे की आवश्यकता है जो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान रखता है। इस मायने में पशुपति पारस उपयुक्त नेता हो सकते हैं। अब देखना है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में किस तरह की उथल-पुथल मचती है।

सूक्ति

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है।
- कथा सरित्सागर

जो सत्य विषय हैं वे तो सबमें एक से हैं झगड़ा झूठे विषयों में होता है।
- सत्यार्थप्रकाश

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

ईसा मसीह : अहिंसा, करुणा और सत्य के अमर प्रतीक

योगेश कुमार गोयल

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह परिवर्तन के पक्षधर थे और उन्होंने मानव प्रेम की सीमा नहीं बांधी बल्कि अपने बलिदान से उसे आत्मकेन्द्रित एवं स्वार्थ से परे बताया। पृथ्वी पर बढ़ रहे पापों के लिए बलिदान देकर ईसा ने निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्रॉस पर लटकाए जाने के करीब तीन दिन बाद रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो गए थे, इसीलिए गुड फ्राइडे के बाद आने वाले रविवार को 'ईस्टर संडे' के नाम से जाना जाता है। पुनः जीवित हो उठने के बाद ईसा ने अपने शिष्यों के साथ 40 दिनों तक रहकर हजारों लोगों को दर्शन दिए। ईसा मसीह के जी उठने की याद में ही दुनियाभर में ईसाई धर्म के अनुयायी 'ईस्टर संडे' मनाते हैं। ईस्टर की आराधना उषाकाल में ईसाई महिलाओं द्वारा की जाती है, क्योंकि माना जाता है कि यीशु का पुनरुत्थान इसी वक्त हुआ था और उन्हें सबसे पहले मरियम मदीलिनी नामक महिला ने देखा था तथा अन्य महिलाओं को इस बारे में बताया था।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दा : झोलाछाप डॉक्टरों से बच के

कुमार समीर

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अनियमितताएं किस तरह बेलगाम हो गई हैं, इसका ताजा उदाहरण दमोह के फर्जी डॉक्टर का मामला है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर, किस तरह प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर मध्य प्रदेश के दमोह जिले का यह फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट 'डॉक्टर' एन जॉन कैम सालों से लाचार, परेशान, मुसीबतों के मारे मरीजों का ईलाज कर रहा था? आरोपी 'डाक्टर' का दुस्साहस देखिए कि उसने अपना असली नाम छिपा कर मेडिकल कम्युनिटी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए विदेशी नाम रखा था। दमोह जिले के मिशन अस्पताल में आरोपी डाक्टर का नाम डॉक्टर एन जॉन कैम दर्ज था जबकि उसका असली नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। पूछताछ में आरोपी ने खुद को अविवाहित बताया है जबकि उसके फर्जी दस्तावेज में पत्नी और बच्चों के फेक नाम लिखे हुए हैं।

आरोपी का मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ ऐसे ही बेरोकटोक चलता रहता अगर इसके द्वारा की गई 15 लोगों की हार्ट सर्जरी के दौरान सात लोगों की जान नहीं चली गई होती। इस फर्जी डाक्टर की पहुंच, पहचान कितनी तगड़ी थी, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 15 लोगों के हार्ट की सर्जरी करने वाले डॉक्टर ने 2006 में एक निजी अस्पताल में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की सर्जरी भी की थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इसका दावा उनके बेटे ने किया है।

आखिर, इस तरह के लोगों की भनक तक प्रशासन, स्वास्थ्य महकमे को क्यों नहीं लगती। आश्चर्य तो यह है कि ऐसे ज्यादातर मामलों का खुलासा तब होता है जब इनके कारनामे से बड़ा नुकसान हो जाता है। दरअसल, स्वास्थ्य सेवाओं के गोरखधंधे में कई चीजें शामिल हो गई हैं, जैसे कि स्वास्थ्य संबंधी धोखाधड़ी, बैंकिंग धोखाधड़ी, नकली दवाएं और अनियमित पैथोलॉजी लैब्स। स्वास्थ्य संबंधी धोखाधड़ी में ऐसे उत्पादों या सेवाओं का दावा करना शामिल है, जो बीमारियों को ठीक करने या रोकने का वादा करते हैं, लेकिन वे सुरक्षित या प्रभावी नहीं होते। बैंकिंग धोखाधड़ी में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियों द्वारा धन या सेवाएं प्राप्त करना शामिल है, जैसे कि झूठे दावे प्रस्तुत करना या अधिक बिलिंग करना। नकली दवाएं और अनियमित पैथोलॉजी लैब्स भी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गोरखधंधे के उदाहरण हैं।

फर्जी चिकित्सक नकली दवाओं के साथ-साथ जांच भी फर्जी कर रहे हैं। इसके लिए एक मशीन रख ली है, जिस पर हाथ रख कर ही 55 जांच करने का दावा कर रहे हैं। कई लोगों को इतना बीमार बता दिया जाता है कि वे सदमे में आ जाते हैं। लैब से जांच कराई तो सारी जांच गलत निकलती है। बताते चलें कि क्वांटम रेजोनेंस बॉडी हेल्थ एनालाइजर नामक मशीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रशिक्षित फर्जी चिकित्सकों द्वारा खूब इस्तेमाल की जा रही है। यह मशीन ऑनलाइन प्लेटफार्म पर मात्र दस से 12 हजार रुपये में मिल रही है। दावा किया जा रहा है कि मशीन में शरीर की 55 जांच महज कुछ मिनटों में हाथ रखने से ही हो जाती है। जांच के नाम पर लोग पैसे तो दे ही रहे हैं, साथ ही अप्रशिक्षित चिकित्सक जांच के आधार पर इलाज तक दे रहे हैं।

बिना डिग्री व बिना पंजीकरण वाले डाक्टरों पर अंकुश लगाना सबसे जरूरी है और इसके लिए सबसे पहले बनाना होगा नेशनल मेडिकल पोर्टल। जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए केवल नियम-कानून बना देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जनता को ऐसे डॉक्टरों के बारे में सचेत भी करना होगा। आम जन को बताया जाना चाहिए नकली डॉक्टर के खिलाफ शिकायत कहां करें? मेडिकल काउंसिल को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बिना डिग्री या रजिस्ट्रेशन वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को सख्त कानून लागू करने चाहिए। भारत में झोलाछाप डॉक्टर के लिए दी जाने वाली सजा पर फिर से गौर करना चाहिए।

गौरतलब है कि झोलाछाप डॉक्टरों को धारा 15(4) धारा 15(2) के उल्लंघन के लिए दंड निर्धारित करती है। भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 की धारा 15(3) में प्रावधान है कि उल्लंघन के परिणामस्वरूप एक वर्ष का कारावास या 1,000 रुपये का जुमार्ना होगा। इसे और सख्त और कड़ा बनाने की जरूरत है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को नियमित जांच और निगरानी करनी चाहिए। मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फर्जी चिकित्सा के दुष्परिणाम साझा किए जाएं। मेडिकल काउंसिल को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फ्यूचर लाइन टाइम्स

दिल्ली में 8 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए, निर्वासन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने साउथ कैंपस थाना क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे 8 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। सभी की पहचान रबीउल इस्लाम (38), उसकी पत्नी सीमा (27), उसका बेटा अब्राहम (5), पापिया खातून (36), सादिया सुल्ताना (21), सुहासिनी (1), आर्यन (7) और रिफत आरा मोयना (28) के रूप में हुई है। अब विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की मदद से सभी के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, 15 अप्रैल को साउथ कैंपस पुलिस थाने को गुप्त सूचना मिली थी कि सत्य निकेतन मार्केट में कुछ बांग्लादेशी नागरिक रह रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर इंस्पेक्टर रविंदर कुमार वर्मा, एसएचओ, साउथ कैंपस के नेतृत्व में और एसीपी डॉ. गरिमा तिवारी की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में एसआई सुंदर योगी, एचसी मनोहर, सीटी धन्ना राम और अन्य शामिल थे। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सत्य निकेतन मार्केट में छापेमारी की और एक संदिग्ध व्यक्ति, रबीउल इस्लाम, से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में रबीउल ने बताया कि वह 2012 में त्रिपुरा सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत आया था और अपनी पत्नी सीमा और बेटे अब्राहम के साथ दिल्ली के किशनगढ़ में रह रहा है। उसने यह भी खुलासा किया कि उसके पास फर्जी आधार कार्ड है और कुछ अन्य बांग्लादेशी नागरिक कटवारिया सराय और मोती बाग में रहते हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सात अन्य बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। जांच में पाया गया कि सभी भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रबीउल इस्लाम बांग्लादेश के जेसोर जिले का रहने वाला है और 2016 में उसने सीमा से शादी की। वह भारत में हाउसकीपर का काम करता है और 2022 में बांग्लादेश में मानव तस्करी के एक मामले में शामिल था। उसकी पत्नी सीमा हाउसमेड का काम करती है। पापिया खातून को पति ने बांग्लादेश में छोड़ दिया था और वह अपनी बेटियों सादिया और सुहासिनी के साथ भारत में रह रही थी। अन्य पकड़े गए लोग भी विभिन्न कामों में लगे थे। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन अवैध प्रवासियों पर नजर रखने के लिए बनाई गई विशेष रणनीति का हिस्सा था। टीम को दिन-रात गश्त करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि पकड़े गए सभी लोगों को निर्वासन केंद्र भेजा गया है और एफआरआरओ के माध्यम से वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है। यह कार्रवाई दिल्ली में अवैध प्रवास के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत पुलिस लगातार सघन जांच कर रही है।

भाजपा ने दुर्गेश पाठक के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई पर कहा, 'आप' सबसे भ्रष्ट पार्टी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) एक 'भ्रष्ट' पार्टी है। भाजपा ने दावा किया कि शराब घोटाले के माध्यम से 'उगाही' गई धनराशि का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनावों में उस समय किया गया था, जब दुर्गेश पाठक राज्य के प्रभारी थे। दुर्गेश पाठक के परिसरों पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी की कार्रवाई पर भाजपा की ओर से प्रतिक्रिया आई है। दुर्गेश पाठक अब गुजरात के सह-प्रभारी हैं और राज्य में 2027 में चुनाव होने हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया, 'आप' एक भ्रष्ट पार्टी है। पाठक गोवा के प्रभारी थे, जहां दिल्ली में शराब घोटाले के माध्यम से उगाही गई धनराशि का इस्तेमाल विधानसभा चुनावों में किया गया था।' 'आप' ने पाठक के आवास पर सीबीआई की छापेमारी की निंदा करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित' कदम बताया, जिसका उद्देश्य 2027 में गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को पटरी से उतारना है। सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि गुजरात में चुनाव को अभी दो वर्ष हैं।उन्होंने पूछा कि अगर सीबीआई अपना काम कर रही है तो 'आप' नेताओं को परेशानी क्यों हो रही है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 47 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में तेज हवाएं चलने और बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 187 रहा जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है।

ड्रग्स तस्करी के मामले में नाइजीरियन समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण जिला पुलिस ने ड्रग्स तस्करी में शामिल नाइजीरियन समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान संजय उर्फ सनम तथा चुकुनोन्सो उर्फ प्रिंसनी के रूप में हुई है। दोनों के पास 89.20 ग्राम हेरोइन व 3.29 ग्राम मेथमफेटामाइन (एमडी) बरामद किया गया है। गिरफ्तार संजय सोशल मीडिया के माध्यम से नाइजीरियन गैंग के संपर्क में आया था।

दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बुधवार को बताया कि जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) के सूचना मिली थी कि एक नाइजीरियन गैंग दिल्ली-एनसीआर में ड्रग्स की सप्लाई कर रहा है। सूचना को पुख्ता करने के बाद एएटीएस प्रभारी उमेश यादव की देखरेख में पुलिस टीम ने एमबी रोड पर जाल बिछाया कर संजय को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर महरौली से नाइजीरियन चुकुनोन्सो उर्फ प्रिंसनी को गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से हेरोइन व मेथमफेटामाइन (एमडी) ड्रग्स बरामद की गई। पूछताछ में सामने आया कि संजय सोशल मीडिया के जरिए नाइजीरियन नागरिक के संपर्क में आया था।

मनमानी फीस वसूलने की शिकायतों पर दिल्ली की रेखा सरकार ने लिया एक्शन

600 निजी स्कूलों का निरीक्षण कर कई को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की रेखा सरकार ने मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद 600 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया और 10 से ज्यादा स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एक बयान के मुताबिक दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने मनमाने ढंग से और ज्यादा फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद निजी स्कूलों की जांच के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया है।

एसडीएम की अध्यक्षता वाली इन समितियों में शिक्षा उपनिदेशक, लेखा अधिकारी और सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य शामिल किए गए हैं। टीम को निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, जिनमें शिक्षा निदेशालय को मिली शिकायतों में खासतौर पर उल्लेखित स्कूल शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि दिल्ली के अब तक 600 से ज्यादा स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया अभी जारी है।

शिक्षा निदेशालय ने कहा कि मुनाफाखोरी के लिए मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करने के लिए दोषी पाए स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया कि 10 से ज़्यादा ऐसे स्कूलों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि गंभीर मामलों में मान्यता रद्द करने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने जैसी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है।

बता दें बुधवार को कई अभिभावकों ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था और बढ़ी हुई स्कूल फीस को वापस लेने और मामले में अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। दिल्ली में निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा अनियमित और अत्यधिक फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिभावकों द्वारा लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं। उन्होंने स्कूलों पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र देने से इनकार करना और अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर छात्रों के नाम काटने की धमकी देना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने 15 अप्रैल को उन निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया था, जिन्होंने मनमाने ढंग से फीस बढ़ाई है। निजी स्कूलों के लिए शून्य सहनशीलता की नीति को व्यक्त करते हुए सीएम गुप्ता ने कहा कि सरकार कार्रवाई करेगी और उन संस्थानों को नोटिस भेजेगी जिनके बारे में अभिभावकों ने शिकायत की हैं।

दिल्ली: यमुना सफाई को लेकर पीएम मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग, एक्शन प्लान पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यमुना नदी की वर्तमान स्थिति का आकलन करने और इसकी सफाई और पुनरुद्धार के लिए चल रही और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य अधिकारी शामिल हुए। सीएमओ दिल्ली ने बताया कि बैठक में नदी को साफ करने के लिए एजेंसी-वार कार्ययोजना की समीक्षा की गई। कार्ययोजना में अल्पकालिक गतिविधियां (3 महीने), मध्यम अवधि की गतिविधियां (3 महीने से 1.5 साल) और दीर्घकालिक गतिविधियां (1.5 से 3 साल) शामिल थीं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि ड्रेन मैनेजमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवेज मैनेजमेंट, सेप्टेज और डेयरी वेस्ट मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट, अपशिष्ट जल उपचार के बुनियादी ढांचे की कमी की पहचान और निगरानी उपायों, यमुना नदी में प्रवाह में सुधार, बाढ़ के मैदानों की सुरक्षा, हरित नदी तट विकास और सार्वजनिक आउटरीच के लिए की जाने वाली कार्रवाई पर विशिष्ट समयसीमा के साथ चर्चा की गई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने घोषणापत्र में यमुना को 'गंदगी और कचरे से भरे प्रदूषित नाले में बदल दिया है÷ कहते हुए नदी को साफ करने का वादा किया था। आम आदमी पार्टी (आप) के शासन को आप-दा करार देते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि 8,500 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद आप-डीए यमुना को साफ करने में विफल रही है। भाजपा ने अपने बयान में कहा, 'हम साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर यमुना रिवर फ्रंट विकसित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करेंगे, जिससे नदी के किनारे 24म7 वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, इंटरैक्टिव शो, थिएटर और अन्य मनोरंजन सुविधाएं सुनिश्चित होंगी।'

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ पांच साल में डायनासोर की तरह गायब हो जाएंगे : पर्यावरण मंत्री सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार शहर में अपशिष्ट प्रसंस्करण में तेजी लाने के लिए एक अतिरिक्त एजेंसी से करार करने की संभावना तलाश रही है।

सिरसा ने कहा कि शहर के कूड़े के ढेर अगले पांच साल में डायनासोर की तरह गायब हो जाएंगे। उन्होंने गाजीपुर लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सरकार पुराने कचरे को साफ करने तथा शहर को पहाड़ों की तरह जमा हो गए कचरे के विशाल ढेर से मुक्त करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा, ''मैं अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करना चाहता हूं कि दिल्ली में कूड़े के पहाड़ डायनासोर की तरह गायब हो जाएंगे।'' मंत्री ने कहा कि साइट पर जमा 70 लाख मीट्रिक टन कचरे में से 14-15 लाख टन का प्रसंस्करण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जैवखनन कार्य की गति बढ़ गई है और अगले छह महीनों में प्रतिदिन लगभग 7,000 से 8,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जाएगा। सिरसा ने कहा कि उन्होंने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि नया ठेकेदार अगले चार से पांच महीनों में प्रतिदिन कम से कम 8,000 मीट्रिक टन कचरे का निपटान करे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ''यदि वे (नया ठेकेदार) लक्ष्य पूरा करने में असफल रहे तो उनपर जुर्माना लगाया जाएगा।'' दिल्ली सरकार अपशिष्ट प्रसंस्करण में तेजी लाने के लिए एक अतिरिक्त एजेंसी की नियुक्ति की संभावना भी तलाश रही है। सिरसा ने कहा, ''हम सचिवालय में डैशबोर्ड के माध्यम से प्रतिदिन प्रगति की निगरानी कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप की गई प्रतिबद्धता है, और हम इसे बिना किसी चूक के पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं।''

'आप' ने पाठक के खिलाफ सीबीआई की छापेमारी को 'राजनीति से प्रेरित कदम' बताया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी की निंदा करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित कदम' बताया, जिसका उद्देश्य 2027 में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को पटरी से उतारना है। पाठक, गुजरात में पार्टी के सह-प्रभारी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में उनकी बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के कारण कथित तौर पर 'डराने' के लिए सीबीआई अधिकारियों की एक टीम ने उनके आवास पर छापा मारा। पाठक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'सीबीआई के पांच-छह अधिकारियों की एक टीम मेरे घर आई और मेरे दो कमरों वाले परिसर के हर कोने की करीब तीन से चार घंटे तक तलाशी ली। उन्होंने मुझे यह नहीं बताया कि वे क्यों आए हैं या किस मामले के लिए आए हैं। उन्होंने मुझे एक तलाशी वारंट दिखाया और मैंने उनका स्वागत किया। उन्होंने हर जगह तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वे (सीबीआई अधिकारी) मुझे डराने आए थे क्योंकि मैंने गुजरात में 'आप' के लिए काम करना शुरू कर दिया है। वे इसलिए आए ताकि गुजरात में कोई भी हमारे साथ न जुड़ सके। उन्होंने संजय सिंह को तब गिरफ्तार किया था जब 'आप' गुजरात में पांच विधायकों के निर्वाचित होने के बाद राज्य में एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी।' पाठक ने हालांकि कहा कि वह एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत के नागरिक के तौर पर मैं उनके साथ सहयोग करूंगा और जो कुछ भी मुझे पता है, वह उन्हें बताऊंगा।' अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के कथित उल्लंघन के सिलसिले में पाठक के परिसरों पर छापेमारी कर रही है। 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आप' को खत्म करने की भाजपा की कोशिशें एक बार फिर शुरू हो गई हैं। उन्होंने हमारे नेता को जेल में डाल दिया, हमारे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया और अब हमारे पीएसी (संसदीय कार्य समिति) सदस्य और गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर पर सीबीआई ने छापा मारा है। इसका एकमात्र कारण यह है कि गुजरात में 'आप' की पकड़ मजबूत हो रही है।'

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल को सीएसआर के तहत मिले महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ईस्ट और मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड ने वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल को कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य उपकरण भेंट किए। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत सीएसआर योगदान के माध्यम से अस्पताल को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण दिए गए, जिसमें एक वेंटिलेटर, फेटोस्कोप और 2 कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीनें शामिल हैं।

बुधवार को अस्पताल परिसर पर आयोजित कार्यक्रम में वीएमएमसी और सफ़दरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण उपकरण अस्पताल की सेवाओं को और मजबूत करेंगे, जिससे यहां देखभाल चाहने वाले हजारों रोगियों को समय पर और जीवन रक्षक हस्तक्षेप प्रदान करने में मदद मिलेगी। सरकारी अस्पतालों को उन्नत चिकित्सा तकनीक से लैस करके, कॉर्पोरेट सहयोगी न केवल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हैं, बल्कि वंचित समुदायों की भलाई में भी सीधे योगदान देते हैं। यह पहल नैदानिक सटीकता को मजबूत करेगी, बेहतर रोगी निगरानी सुनिश्चित करेगी और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में सुधार करेगी।

इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ईस्ट के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने के अपने मिशन के लिए संकल्पित है। यह सहयोग उन संस्थानों का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो प्रतिदिन हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। भारत के प्रमुख सार्वजनिक अस्पतालों में से एक अस्पताल में योगदान करने पर गर्व है।

मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय गुप्ता ने कहा कि एक संगठन के रूप में, मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड उन संस्थानों का समर्थन करने में विश्वास करता है जो सबसे कमज़ोर वर्ग लोगों की सेवा करते हैं। जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरणों का योगदान देकर, सफ़दरजंग अस्पताल में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य को सुदृढ़ करने और भविष्य में इस तरह की और अधिक साझेदारियों को प्रेरित करने की उम्मीद करते हैं। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ़ दिल्ली साउथ ईस्ट के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर महेश त्रिखा ने भी भाग लिया, जिन्होंने प्रभावशाली सेवा के लिए क्लब की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

जेएनयूएसयू चुनाव के लिए एबीवीपी सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने जेएनयू में एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। एबीवीपी के कार्यकर्ता छात्रावासों के कमरों, मेस, क्लासरूम और ढाबों पर जाकर छात्रों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें चुनाव में भाग लेने एवं लोकतंत्र के इस महापर्व में उनकी सहभागिता का महत्व समझाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके साथ ही कार्यकर्ता प्रत्येक छात्र तक पहुंच कर विद्यार्थी परिषद् द्वारा पिछले छह वर्षों में परिसर, प्रवेश, परीक्षा, परिणाम, पाठ्यक्रम, छात्रावास एवं फेलोशिप के विषयों में किए गए सकारात्मक कार्यों के बारे में अवगत करा रहे हैं। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि चुनाव में भागीदारी ही एक मजबूत और स्वस्थ छात्रसंघ बनाने की कुंजी है, जिसके माध्यम से शैक्षिक परिसर में सकारात्मक नेतृत्व प्राप्त हो सकता है। एबीवीपी के कार्यकर्ता जेएनयू के सभी छात्रों से आग्रह कर रहे हैं कि वे 25 अप्रैल 2025 को होने वाले जेएनयूएसयू छात्रसंघ चुनावों में मतदाता के रूप में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे जेएनयू में राष्ट्रवादी, सकारात्मक कार्य करने वाला नेतृत्व प्राप्त हो सके। एबीवीपी के प्रांत सह मंत्री विकास पटेल ने कहा, 'छात्र संपर्क अभियान में छात्रों का उत्साह को देखते हुए, विद्यार्थी परिषद् को विश्वास है कि जेएनयू के छात्र इस चुनाव में विद्यार्थी परिषद को अपना समर्थन देंगे और जेएनयू में एक मजबूत और प्रभावी छात्रसंघ स्थापित करेंगे। एबीवीपी ने छात्रों से आग्रह किया है कि वे चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और छात्रहित में कार्य करने वाले उम्मीदवारों को चुनें। विद्यार्थी परिषद् का मानना है कि छात्रों की भागीदारी ही विश्वविद्यालय में लोकतांत्रिक और मजबूत छात्रसंघ बनाने में मदद कर सकती है।'

डीयू के अरबी भाषा विभाग द्वारा 'संविधान @ 75: नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य' पर विशेष व्याख्यान आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय संविधान के लागू होने की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबी भाषा विभाग द्वारा ÷संविधान ञ्च 75 ¬ नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य÷ विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डीयू के लॉ फैकल्टी में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.नरेंद्र नागरवाल ने कहा कि भारत का संविधान भारत की आत्मा है। डॉ.नरेंद्र नागरवाल ने कहा कि हमारा देश संविधान से चलता है, इसमें नागरिको के न केवल मूलाधिकारों को बताया गया बल्कि कर्तव्यों का भी विस्तार से उल्लेख है ये भारत के सविधान की ताकत ही है कि किसी भी धर्म या जाति या वर्ण से सम्बन्ध रखने वाला व्यक्ति देश के सर्वोच्च पद तक पहुच सकता है। हालांकि ये दुखद है कि कुछ लोग संविधान में आस्था नहीं रखते इससे समाज में आराजकता की स्थिति उत्पन होने का खतरा बढ़ जाता है। भारत में रंग रूप, वेश-भूषा विविधता में एकता के रंग की झलक प्रस्तुत करते है और ये एकता कायम रखता है संविधान।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे जामिआ मिलिया इस्लामिया के कानून के प्रोफेसर असद मालिक ने कहा कि समाज की समस्या का हल संविधान में है, लकिन अफ़सोस की बात है लोग संविधान पढ़ते नहीं है और सुनी सुनाई बातो पर यकीन करते है। हम सभी को अपना कर्तवय समझ कर संविधान अवशय पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में अरबी भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. एस. हसनैन अख्तर ने मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुजीब अख्तर और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अकरम ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीयू के दक्षिणी परिसर में हिंदी विभाग पत्रकारिता से एमए कोर्स करेगा शुरू

-कुलपति ने किया डीयू के दक्षिणी परिसर में मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा है कि अगले वर्ष से डीयू के दक्षिणी परिसर में हिंदी विभाग पत्रकारिता से एमए कोर्स करेगा। उक्त बातें उन्होंने डीयू के दक्षिणी परिसर में हिंदी विभाग द्वारा संचालित पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए मल्टीमीडिया स्टूडियो के उद्घाटन अवसर पर कही।

इस अवसर पर स्टूडियो टीम द्वारा पॉडकास्ट रिकॉर्डिंग के दौरान कुलपति प्रो योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में अपनी तीन वर्ष की कार्यावधि के अंतर्गत ही उन्होंने आधारभूत संरचनाओं पर कार्य किया और लगभग 22 ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं जो आज भी चल रहे हैं तथा आगे भी वह इन कार्यों को करने में पीछे नहीं हटेंगे। कुलपति ने बताया कि पिछले तीन दशकों के बाद इस विश्वविद्यालय में एक नया कॉलेज जुड़ा है।

प्रो. योगेश सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय में ही लागू करने के प्रश्न पर कहा कि मैं तो चाहता हूँ कि पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्ण रूप से लागू हो और इस प्रयोग के द्वारा हम शिक्षा में कुछ नई चीज़ों का भी समावेश कर सकें। प्रयोग करते रहना चाहिए ताकि हम आगे बढ़ सकें।

उन्नत तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित है मल्टीमीडिया स्टूडियो

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर का मल्टीमीडिया स्टूडियो मल्टीमीडिया सामग्री के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्नत तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित एक अत्याधुनिक स्टूडियो है। इसमें ऑडियो और वीडियो उत्पादन, ग्राफिक डिज़ाइन, एनीमेशन और अन्य डिजिटल मीडिया प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं। स्टूडियो को छात्रों के एक रचनात्मक और सहयोगी स्थान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहां वे विभिन्न मल्टीमीडिया तत्वों का उपयोग करके अपने विचारों को जीवंत कर सकते हैं।

दिल्ली में धार्मिक स्थलों पर तय मानकों पर ही बजेंगे लाउडस्पीकर

-धार्मिक कार्यक्रमों, समारोह और रैलियों के लिए पुलिस से लेनी होगी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शहर भर में लाउडस्पीकरों और सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के इस्तेमाल को विनियमित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देशों का एक सेट जारी किया है। नए नियमों का उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करना और यह तय करना है कि ध्वनि का स्तर निर्धारित सीमा के अंदर हो, खासकर आवासीय और मौन क्षेत्रों में। आदेश के मुताबिक धार्मिक स्थानों पर अनुमत ध्वनि स्तर से ज्यादा लाउडस्पीकर का इस्तेमाला नहीं किया जा सकता है और सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक कार्यक्रमों और रैलियों समेत किसी भी स्थान पर लाउडस्पीकर लगाने करने या संचालित करने के लिए पहले पुलिस से अनुमति लेना जरुरी है। टेंट हाउस से किराए पर लिए गए लाउडस्पीकर भी उसी नियम के अंतर्गत आते हैं। आपूर्तिकर्ताओं को यह सत्यापित करना जरुरी होगा कि उपयोगकर्ताओं के पास लिखित में पुलिस का अनुमोदन है। डीसीपी को अनुपालन तय करने का निर्देश दिया गया है और इन नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का इस्तेमाल करना मना है। परिवेशीय शोर स्तर से 10 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए। परिवेश स्तर से 5 डीबी (ए) ऊपर तक सीमित। ज़ोन-वार शोर सीमा सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक / रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक है। औद्योगिक क्षेत्र में 75 डीबी से 70 डीबी, आवासीय क्षेत्र में 55 डीबी से 45 डीबी और अस्पतालों, अदालतों, स्कूलों आदि के पास में 50 डीबी से 40 डीबी होना चाहिए।

पंजाब पुलिस ने 407 महिला नशा तस्करों को गिरफ्तार किया, मान सरकार की बड़ी मुहिम

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने नशे के खिलाफ छेड़ी गई अपनी मुहिम में पहली बार महिला तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।1 मार्च 2025 से शुरू हुए अभियान के तहत अब तक 407 महिला नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। राज्य पुलिस विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत 7 अप्रैल तक दर्ज मामलों के मुताबिक सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां होशियारपुर जिले से हुईं, जहां 43 महिलाओं को पकड़ा गया। इसके बाद संगरूर (33), जालंधर ग्रामीण (28), लुधियाना शहर (27), पटियाला (24), बरनाला व कपूरथला (21-21), फरीदकोट (17), गुरदासपुर व मुक्तसर (16-16), मोगा (15), अमृतसर शहर (14), लुधियाना ग्रामीण (14), एसबीएस नगर (14), मानसा (12), अमृतसर ग्रामीण (9), बठिंडा (9), फिरोजपुर (8), खन्ना (8), फाजिल्का (7), फतेहगढ़ साहिब (6), जालंधर शहर (6), तरनतारन (6), मलेरकोटला (5), पठानकोट (4), बटाला (3), रोपड़ (3), और मोहाली (2) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पंजाब के सभी 23 जिलों में महिला नशा तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। इस सूची में अन्य राज्यों की 16 महिलाएं हैं। जिसमें हरियाणा (3), पश्चिम बंगाल (3), दिल्ली (2), झारखंड (2), उत्तर प्रदेश (2), चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से एक-एक महिला शामिल है।

हिमाचल प्रदेश में तूफान से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं...रातभर गुल रही बिजली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को तूफान ने तबाही मचा दी है। 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चले तूफान से कई घरों की छत्ते उड़ गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए। तूफान से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई। इससे आंधी रात को आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राजधानी शिमला शहर सहित कांगड़ा, बड़सर, सुजानपुर, ऊना और चंबा के सैकड़ों गांव व घर बीती रात से सुबह 10 बजे तक अंधेरे में डूबे रहे। कई ग्रामीण इलाकों में दोपहर 12 बजे भी बिजली नहीं आई। शिमला के ठियोग, मंडी के सराज, आनी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन में कई घरों की छत उड़ गई। प्रदेश में जगह जगह तूफान के बाद पेड़ जड़ से ही उखड़ गए। इससे कई सड़कें भी यातायात के लिए बंद हो गई। प्रदेश में तूफान से काफी नुकसान हुआ है। इससे मैदानी इलाकों में गेहूं फसल भी तबाह हुई है। शिमला, कुल्लू, चंबा जिला में सेब की फसल को नुकसान हुआ है। इन जिलों में सेब के पौधे जड़ से ही उखड़ गए।

अगले 4 दिन बारिश-ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस अगले 4 दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 और 19 अप्रैल को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और लाहौल स्पीति जिला में कुछेक स्थानों पर भारी बारिश व ओलावृष्टि हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान चलने की भी चेतावनी दी गई है।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है। प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में करीब 15 दिनों तक लू की आशंका है। यह देखकर कांग्रेस सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। तेलंगाना सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला संभवत: देश का पहला राज्य है।

भाजपा से केवल चुनावी समझौता है, जरुरी नहीं है कि सरकार मिलकर बनाएं: एआईएडीएमके

चैन्नई (एजेंसी)। कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता है। फिर चुनावी गठबंधन परमानेंट कैसे रह सकता है। खासतौर से तमिलनाडु की राजनीति को देखें तो यहां हर रोज कुछ न कुछ बदलाव देखने को मिल रहे हैं।एआईएडीएमके और भाजपा पार्टी के बीच गठबंधन से राज्य की राजनीति बदल गई है। इस सबके बीच एआईएडीएमके महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने बुधवार को एक बयान देकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी और बीजेपी के बीच गठबंधन केवल 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर एक चुनावी समझौता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि चुनाव के बाद दोनों पार्टियां मिलकर गठबंधन सरकार बनाएंगी।

उन्होंने सत्ताधारी डीएमके पर तंज कसते हुए कहा कि जब एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन होता है तो डीएमके घबराहट में आ जाती है। उन्होंने कहा, डीएमके को क्यों परेशानी हो रही है जब हम गठबंधन करते हैं? यह उनकी असुरक्षा को दर्शाता है। अमित शाह ने भी सिर्फ 'दिल्ली में मोदी और तमिलनाडु में पलानीस्वामी की बात कही थी, गठबंधन सरकार की नहीं। पत्रकारों से बातचीत में पलानीस्वामी ने कहा, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यह गठबंधन सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कभी नहीं कहा कि तमिलनाडु में चुनाव के बाद गठबंधन सरकार बनेगी। हमने केवल इतना कहा था कि हम एक गठबंधन का हिस्सा हैं। गठबंधन सरकार बनाने की बात कभी नहीं की।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने कहा कि राज्य में गठबंधन सरकार बनाने का फैसला बीजेपी नेतृत्व और एआईएडीएमके महासचिव मिलकर सही समय पर लेंगे। उन्होंने कहा, गठबंधन सरकार को लेकर निर्णय अमित शाह और एआईएडीएमके नेतृत्व के बीच परामर्श के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा, सत्तारूढ़ दल की यह घबराहट उनकी सरकार की विफलता और आने वाले चुनाव को लेकर उनकी असुरक्षा को दिखाती है। उन्हें हमारे गठबंधन पर ध्यान देने की बजाय अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बीजेपी के साथ गठबंधन तमिलनाडु के विकास और जनहित में किया गया रणनीतिक निर्णय है। बता दें कि हाल ही में चेन्नई दौरे पर आए अमित शाह ने भी सीटों के बंटवारे और संभावित मंत्रालयों को लेकर कहा था कि सभी निर्णय उचित समय पर गठबंधन साझेदारों से बातचीत के बाद लिए जाएंगे। पलानीस्वामी ने आगे कहा कि सभी राजनीतिक दलों को एक-दूसरे की स्वायत्तता और निर्णय लेने के अधिकार का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में गठबंधन एक सामान्य प्रक्रिया है और इसे लेकर बेवजह विवाद खड़ा करना गलत है।

जम्मू-कश्मीर में तूफान के साथ तेज बारिश ने बरपाया कहर : राजौरी में गिरा पुल, अनेक वाहन मलबे में दबे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बुधवार शाम आंधी-तूफान के साथ आई तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई। सबसे गंभीर घटना राजौरी जिले में सामने आई, जहां तेज हवाओं के चलते हंजना और बरेरी गांवों को जोड़ने वाला एक निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिर गया। पुल गिरने से कई वाहन मलबे में दब गए। तूफान और तेज बारिश से हुई इस घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुल निर्माणकर्ता कंपनी के कॉन्ट्रैक्टर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। तकनीकी टीम द्वारा जल्द ही पुल की जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। राजौरी के साथ ही साथ जम्मू और उधमपुर जिले भी इस तूफान से खासे लोग प्रभावित हुए हैं। जम्मू शहर में सचिवालय के पीछे की दीवार गिर गई, जिससे आसपास खड़ी कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। इसके अलावा, तेज हवाओं ने कई पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया, जिससे सड़क संपर्क बाधित हुआ और बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ गई।

उधमपुर में नुकसान की खबरें- उधमपुर जिले के कई हिस्सों में पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ है और कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई। सतेनी पंचायत के पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम गुप्ता का कहना था कि उनके क्षेत्र में भी भारी नुकसान हुआ है। बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले 4-5 वर्षों में पहली बार इतनी तेज हवाएं चलीं हैं। प्रशासन ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में क्षति का पूरा आकलन जल्द ही कर लिया जाएगा। आपदा प्रबंधन दल आवश्यक सेवाओं की बहाली और सड़क मार्गों को साफ करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

दलितों के वोट बटोरने के लिए सपा फैला रही है हिंसा और तनाव

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा की सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी पर दलित वोटों के लिए तनाव और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा की बयानबाजी और कार्यक्रमों को संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करार दिया। मायावती ने दलितों, पिछड़ों और मुस्लिमों से सपा के बहकावे में न आने की अपील की है। मायावती ने कहा, अतः दलितों के साथ-साथ अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि को भी इनके किसी भी उग्र बहकावे में नहीं आकर इन्हें इस पार्टी के राजनीतिक हथकंडों का शिकार होने से जरूर बचना चाहिए। साथ ही, ऐसी पार्टियों से जुड़े अवसरवादी दलितों को दूसरों के इतिहास पर टीका-टिप्पणी करने की बजाय यदि वे अपने समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों की अच्छाइयों एवं उनके संघर्ष के बारे में बताएं तो यह उचित होगा, जिनके कारण ये लोग किसी लायक बने हैं। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले इनके अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप व कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है, यह इनकी घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ही प्रतीत होती है। क्योंकि सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ की खातिर यहां किसी भी हद तक जा सकती है। इससे पहले बुधवार को मायावती ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ अहम बैठक की थी। इस बैठक में दोनों राज्यों में पार्टी संगठन की समीक्षा की गई थी। बैठक में बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि डबल इंजन की भाजपा सरकार सर्वसमाज के करोड़ों गरीब बहुजनों के समुचित हित, कल्याण एवं विकास के हिसाब से कार्य न करके, सपा सरकार की तरह ही, केवल कुछ क्षेत्र व समूह विशेष के लोगों के लिए ही समर्पितहै।

भाजपा से नाता तोड़, हिंदुत्व की विचारधारा से मुंह नहीं मोड़ा: उद्धव ठाकरे

नासिक (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ा है, हिंदुत्व की विचारधारा से मुंह नहीं मोड़ा है। भाजपा का घिसा-पिटा हिंदुत्व मुझे स्वीकार नहीं है। दरअसल भाजपा ने उद्धव पर हिंदुत्व छोड़ने का आरोप लगाया था। इस पर उद्धव ने यह बात नासिक में पार्टी के संकल्प शिविर में कही।

उद्धव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा झूठी कहानी फैला रही है कि हम लोगों ने हिंदुत्व छोड़ दिया। शिवसेना (यूबीटी) के हिंदुत्व का मतलब राष्ट्रवाद है। जलती हुई मशाल पार्टी का चुनाव चिन्ह हो सकता है, लेकिन भगवा इसकी पहचान है। मैं भाजपा के घिसे-पिटे हिंदुत्व को स्वीकार नहीं करता।

ठाकरे ने कहा कि राज्यपाल को कहीं और शिफ्ट किया जाए। मुंबई के राजभवन को शिवाजी महाराज के स्मारक में बदला जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा को शिवाजी महाराज के प्रति सच्चा सम्मान है, तब केंद्र को उनकी जयंती पर पूरे देश में अवकाश घोषित करे।

वहीं ठाकरे ने कहा कि जब 1992 में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी, तब भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने माफी मांगी थी। जबकि बालासाहेब ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ढांचा गिराया है, तब उन्हें इस बात पर गर्व है।

उद्धव ठाकरे ने 3 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी सांसदों के भाषण पर टिप्पणी की थी। ठाकरे ने कहा था, बीजेपी और उसके सहयोगियों ने मुसलमानों के बारे में जो चिंता दिखाई है, उससे मुहम्मद अली जिन्ना भी शर्मिंदा हो जाएंगे। बीजेपी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर रही है।

पटना में महागठबंधन की बैठक से पहले राजद का दावा, तेजस्वी ही सीएम चेहरा

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव को लेकर इनदिनों सियासी सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं। बिहार में मुख्य विरोधी दल के नेता तेजस्वी यादव ने हाल ही में दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। दिल्ली के बाद अब पटना में बैठकों का दौर शुरु हो रहा है। पटना में गुरुवार को विपक्षी महागठबंधन के नेताओं की बैठक होनी है जिसमें सीट शेयरिंग और मुख्यमंत्री उम्मीदवार जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी है। लेकिन बैठक से पहले राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी की दावेदारी ठोंक दी है।

आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने महागठबंधन की बैठक से पहले कहा कि चुनाव नजदीक हैं और हम अपने घटक दलों के साथ बैठकर आगे की रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। राजद प्रवक्ता तिवारी ने साफ कहा कि 2020 में भी तेजस्वी यादव ही सीएम कैंडिडेट थे और 2025 में भी वहीं मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं।

उन्होंने सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर तंज करते हुए कहा कि जेडीयू को नीतीश के नेतृत्व के दावे को लेकर पोस्टर लगाना पड़ रहा है। इसके पहले महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने भी तेजस्वी को छोटा भाई बताकर सीएम बनाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि हमारे पास दो से तीन दर्जन विधायक होते हैं, तब हमारी सरकार बनेगी। छोटे भाई तेजस्वी यादव सीएम और मैं डिप्टी सीएम बनूंगा।

अब सभी की नजरें कांग्रेस के रुख पर होंगी। पिछले दिनों कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने सीएम फेस को लेकर सवाल पर कहा था कि इसका फैसला चुनाव बाद सभी दलों के नेता बैठकर करने वाले है। इसके बाद से ही सीएम फेस को लेकर महागठबंधन में अलग-अलग सुर और तेजस्वी की अगुवाई पर कांग्रेस की असहमति के कयास लगने लगे थे।

सचिन के इस बयान के बाद ही तेजस्वी यादव दिल्ली पहुंचे थे। खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने अच्छी चर्चा की बात कही थी। सीएम फेस को लेकर सवाल पर तेजस्वी ने कहा था कि महागठबंधन की पार्टियों के नेता साथ बैठकर कर फैसला होगा।

हिंदू समुदाय के लिए खतरा बन चुकी हैं ममता बनर्जी: मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने साफ कहा कि बनर्जी हिंदु समुदाय के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी हैं। उन्होंने वक्फ कानून को बंगाल में लागू न करने लिए तल्ख लहजे में सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी संविधान ऊपर हैं, उन्हें ये हक किसने दिया? अभिनेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही साम्प्रदायिक हिंसा के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। मिथुन बोले, ÷बीजेपी नहीं, ममता बनर्जी ही साम्प्रदायिक तनाव फैला रही हैं। वो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। बंगाली हिंदू अब बेघर हो गए हैं, राहत कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं। उनकी गलती क्या है?

चक्रवर्ती का यह बयान उस वक्त आया जब ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को पूर्व-नियोजित बताया था और आरोप लगाया था कि इसमें बीएसएफ, केंद्रीय एजेंसियां और बीजेपी शामिल हैं, जिन्होंने बांग्लादेश से लोगों की घुसपैठ कराई। मिथुन चक्रवर्ती ने ममता के इस बयान को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि मुख्यमंत्री मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर भटका रही हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, एक ऐसा कानून जो भारत की संसद में पास हो चुका है, उसे लागू न करने की ताकत ममता बनर्जी को किसने दी? वो सिर्फ एक मुख्यमंत्री हैं, संविधान से ऊपर नहीं।

अपने बयान में बीजेपी नेता ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की भी मांग की और दावा किया कि बंगाल में अब हिंदू समुदाय एकजुट हो रहा है। इतना ही नहीं मिथुन ने ममता बनर्जी द्वारा जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन योजना पर भी निशाना साधा और कहा, अब कुछ भी उन्हें नहीं बचा सकता, हिंदू उनके खेल को समझ चुके हैं। गौरतलब है कि बंगाल में अगला विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होने की संभावना है, जहां 294 सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा। अभी से सियासी हलचल तेज होती दिख रही है और बीजेपी ममता सरकार को वक्फ कानून, साम्प्रदायिक हिंसा और शासन पर घेरने की कोशिशों में लगी है।

ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम, रेलवे ट्रैक पर रखा था लकड़ी का टुकड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ट्रेन को डिरेल करने की साजिश को नाकाम कर दिया गया है। दिलावर नगर और रहीमाबाद रेलवे स्टेशन के बीच एक बड़ी रेल दुर्घटना को समय रहते टाल दिया गया। शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर ढाई फीट लंबा और छह इंच मोटा लकड़ी का तना रख दिया था, जिससे सहरसा-आनंद विहार गरीब रथ एक्सप्रेस (05577) का बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना बुधवार तड़के करीब 2:43 बजे की है, जब गरीब रथ ट्रेन इसी ट्रैक से गुजरने वाली थी। हालांकि, लोको पायलट की सूझबूझ ने घटना को होने से रोक दिया।

दरअसल, दिलावर नगर और रहीमाबाद रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर करीब ढाई फीट लंबा लकड़ी का टुकड़ा रखा मिला। इसे पेड़ के पत्तों से ढका गया था। रेलवे ट्रैक पर कपड़ा भी रखा था। संयोग से कुछ ही देर पहले उसी ट्रैक से गुजर रही काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के लोको पायलट की नजर ट्रैक पर रखे लकड़ी के टुकड़े पर पड़ गई। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए तुरंत रहीमाबाद स्टेशन मास्टर ओम प्रकाश को इसकी जानकारी दी। इसके बाद गरीब रथ को मलिहाबाद स्टेशन पर रोक दिया गया। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के बहादुर ड्राइवर ने गरीब रथ ट्रेन को पटरी से उतारने की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिए।

रेलवे सुरक्षा बल और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच की। आरपीएफ के इंस्पेक्टर हुकुम सिंह और राजेश रंजन की टीम को पटरी के किनारे आम के पेड़ की हरी डालियां, सूखा लकड़ी का तना और एक नारंगी रंग का कपड़ा मिला। इस पर राम नाम लिखा हुआ था। कुछ दूरी पर और भी लकड़ियां पटरियों के बीच रखी मिलीं। उन्हें तुरंत हटा दिया गया। इस पूरी घटना को लेकर एक बड़ी साजिश की आशंका जताई जा रही है। रहीमाबाद थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और खुफिया एजेंसियों को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। जांच टीमें सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल की गतिविधियों और पुराने मामलों को खंगाल रही हैं।

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? ये सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न

-जिसका जबाव तलाशने में जुटे भाजपा के दिग्गज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़े दल भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राजनीतिक गलियारों में फिलहाल यह सबसे बड़ा प्रश्न हैं, जिसका जवाब तलाशने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी सहित कई नेता मंथन में जुटे। पीएम मोदी की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात हुई और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा सहित कई अन्य नेताओं से भी उनकी लंबी बैठक चली। इसके बाद से ही चर्चा है कि जल्दी ही संगठन में बदलाव होगा और सरकार में भी नए चेहरों को मौका मिल सकता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि मीटिंग का मुख्य एजेंडा यही था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए किसका नाम आगे बढ़ाया जाए। मीटिंग में कुछ नेताओं के नामों पर मंथन हुआ और चर्चा है कि 20 अप्रैल के बाद कभी भी नए अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है।

इस बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बंगाल, कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को लेकर भी चर्चा हुई कि इसमें किसे प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए। अब तक भाजपा ने 15 राज्यों में नए अध्यक्ष चुन लिए हैं और करीब 7 राज्यों में बाकी हैं। इनमें भी पार्टी नेतृत्व तय होने के बाद 20 अप्रैल के बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। सूत्रों का कहना है कि इसी सप्ताह के अंत तक यानी 20 अप्रैल तक यूपी, बंगाल जैसे राज्यों के अध्यक्ष घोषित हो सकते हैं। इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पर फैसला होगा। 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव हैं और अब जो अध्यक्ष होगा, उसी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। यह देखकर सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को साधते हुए ही पार्टी नए लीडर का चुनाव करेगी।

बताया जा रहा हैं कि भाजपा किसी पिछड़े लीडर को अध्यक्ष बना सकती है। अब तक अध्यक्ष रहे भूपेंद्र सिंह जाट बिरादरी से आते हैं। अब किसी नए ओबीसी नेता को मौका मिल सकता है। इन नेताओं में पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह का नाम भी चल रहा है। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के नाम पर भी चर्चा की जा सकती है। एक समीकरण यह भी साधा जाएगा कि नए अध्यक्ष की सीएम योगी आदित्यनाथ से भी पटरी खाए।

वहीं स्वतंत्र देव पहले भी अध्यक्ष रहे हैं और पार्टी में बेहद प्रभावशाली हैं। इसके बाद उन्हें भी मौका मिल जाए, तब हैरानी नहीं होगी। लेकिन जिस तरह से भाजपा फैसले लेती रही है, उसमें पूरी संभावना है कि किसी नए नेता को ही मौका मिलेगा। ब्राह्मणों की उपेक्षा के आरोप भी लगते रहे हैं। इसतरह उस समीकरण को साधने के लिए ब्राह्मण चेहरे पर भी दांव लग सकता है। इसमें पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और दिनेश शर्मा के नाम भी आगे चल रहे हैं।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है। अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत-जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से टंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हडिड्यों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

खौफ का किरदार कुछ अलग, मुझमें आया बड़ा बदलाव

अभिनेता-फिल्म निर्माता रजत कपूर स्टारर हॉरर सीरीज खौफ रिलीज के लिए तैयार है। उत्साहित अभिनेता ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। रजत ने बताया कि उन्हें अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ में किस बात ने आकर्षित किया और यह किरदार उनके निभाए अब तक के किरदारों से अलग क्यों है। खौफ में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे अभी तक के निभाए सभी किरदारों से अलग है। जब मुझे फोन कॉल आया और मैंने कंटेंट को पढ़ा, तो मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक बड़ा बदलाव था, जो काम मैंने पहले किया था, उससे बिल्कुल अलग।

फिल्म की कहानी बहुत रोमांचक लगी

उन्होंने कहा, निर्देशक पंकज कुमार और निर्माता स्मिता से मिलने से पहले, मैंने उनके भेजे गए कंटेंट को पढ़ा और महसूस किया कि यह रोमांचक था। इसे पढ़कर मुझे अपनी स्पाइन में सेंसेशन महसूस हुई, जो आमतौर पर नहीं होती। मैं अपनी भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित था। अभिनेता ने आगे बताया, कभी-कभी कोई भूमिका कमजोर हो सकती है या आपकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है, लेकिन मेरी यह भूमिका बिल्कुल विपरीत है। शूटिंग का अनुभव, कॉस्ट्यूम, मेकअप - सब कुछ इसे और भी बेहतर बनाता है। यह उन कुछ प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिन पर मैंने काम किया है और जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। मैं आमतौर पर अपने काम को लेकर इतना उत्साहित नहीं होता, लेकिन यह वास्तव में रोमांचक है। 'खौफ' की कहानी पर नजर डालें तो यह मधु नाम की लड़की की कहानी है, जो नए शहर में जिंदगी की नई शुरुआत के लिए आती है और एक हॉस्टल में शिफ्ट होती है। हॉस्टल के कमरे में उसका सामना एक बुरी शक्ति से होता है, जो उसकी पिछली जिंदगी के पिशाच को उसके सामने खड़ा कर देता है। स्मिता सिंह की सीरीज खौफ का निर्माण संजय राउत्रे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर के तहत किया है। पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन के निर्देशन में बनी आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में रजत कपूर के साथ मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी, चुम दरांग और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं। खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

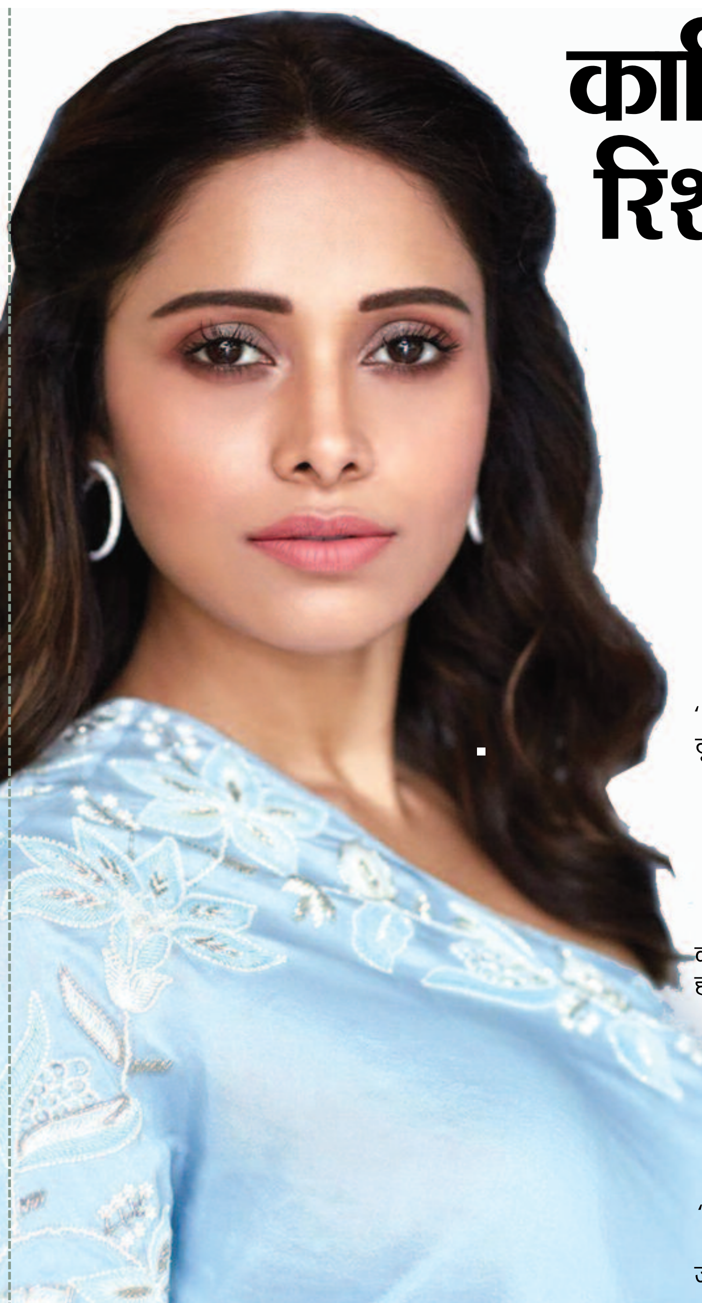

कार्तिक आर्यन के साथ रिश्ते पर नुसरत भरुचा ने किया खुलासा

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की हॉरर फिल्म 'छोरी 2' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। एक्ट्रेस ने कार्तिक आर्यन के साथ अपने रिश्तों पर भी खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म 'छोरी 2' के सेट से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।

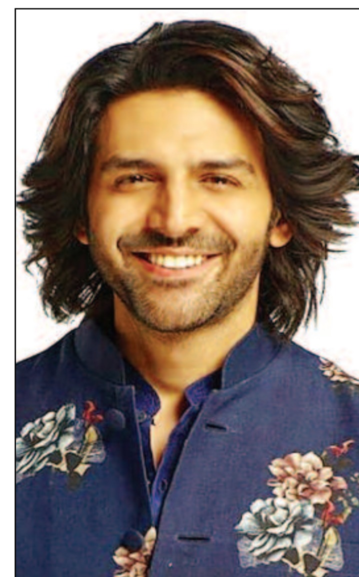

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या कार्तिक आर्यन उनके लिए अब भी रज्जो हैं या द कार्तिक आर्यन हो गए हैं? तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता मैं इस सवाल का जवाब कैसे दूं? क्योंकि मैं नहीं जानती कि मैं उनके लिए नेहा ही हूं? या उनके लिए द नुसरत भरुचा हो गई हूं? ऐसा कुछ होता नहीं है। हम एक्टर्स हैं, हम सामान्य इंसान हैं, हम साथ में काम करते हैं। वह हमेशा मेरे लिए कार्तिक ही रहेंगे। मैं उनके लिए नुसरत ही रहूंगी। मुझे यह नहीं लगता कि यहां द कार्तिक और द नुसरत भरुचा जैसा कुछ है। हम इंसान ही हैं। हम इंसानों की तरह मिलते हैं, चिल और नॉर्मल रहते हैं।'

'छोरी 2' के सेट पर कैसा रहा नुसरत का अनुभव

'छोरी 2' की शूटिंग के दौरान के अनुभव के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा, ' मेकर्स ने इस पार्ट में मुझे डराने से ज्यादा टॉर्चर किया है। धूल-मिट्टी, चाबुक मारना, टनल से उल्टा फेंकना, पानी के अंदर डालना यह सब होता रहा। हालांकि, यह बहुत अच्छी जर्नी रही। 'छोरी' में तो मुझे लगा था कि इससे ज्यादा क्या ही करेंगे? लेकिन 'छोरी 2' ने मुझे चौंका दिया। मुझे हर सीन के बाद लगा अब ये होगा। अच्छा ये होगा। दाद देती हूं मेकर्स की इमेजिनेशन की।' 'छोरी 2' के सेट पर क्या खास रहा? पूछा जाने पर कहा, ' इस बार मुंबई में हुई। इसका सेट वहीं लगाया। उन्होंने कहा, इस बार हमने एक अंडरग्राउंड सेट बनाया हुआ था। बाकी आपको फिल्म देख कर ही पता चलेगा। हम इस बार फिल्म में घबराहट, बेचैनी और पहले पार्ट से डबल भ्रम लेकर आए हैं। पहल भाग में सिर्फ पति-पत्नी थे, लेकिन इस बार फैमिली भी बढ़ गई है। जो इस फिल्म को और डरावना बनाएगी।'

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ किस्सा में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं किस्सा के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।
अमित गोलानी के निर्देशन में बनी लॉगआउट की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लॉगआउट का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली।

विनीत कुमार सिंह ने जाट के बाद नए प्रोजेक्ट की दी झलक

अभिनेता विनीत कुमार सिंह 2025 की शुरुआत से ही लगातार सुर्खियों में हैं। उनका शानदार सफर थमने का नाम नहीं ले रहा और उनके फैंस भी यही उम्मीद कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत फिल्म छावा से धमाकेदार तरीके से करने वाले विनीत ने सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और अब जाट में भी शानदार अभिनय किया है। उन्हें बॉलीवुड में अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जा रहा है। अपने प्रभावशाली अभिनय के साथ विनीत ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है और एक ऐसे कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो किसी भी जटिल भूमिका को बेहद आसानी से निभा सकता है। विनीत अपने विनम्र और व्यावहारिक स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में विनीत ने सोशल मीडिया पर जाट की पूरी टीम को उन्हें एक यादगार प्रोजेक्ट देने के लिए धन्यवाद दिया। विनीत ने अपनी पोस्ट में फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति, अभिनेताओं, लेखकों, निर्देशकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह भी लिखा कि जाट उनके लिए हमेशा यादगार रहेगी क्योंकि यह उनकी पहली निगेटिव भूमिका थी, और साथ ही ये उनकी पहली साउथ फिल्म भी है। उनका धन्यवाद पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सिर्फ टीम को ही नहीं, बल्कि अपने फैंस और आलोचकों को भी इस सफर में अहम भूमिका निभाने के लिए दिल से धन्यवाद कहा ङ्क जो उन्हें लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देते हैं।
विनीत ने लिखा, मुझ पर विश्वास करने और सोमुलु को जीवंत करने के लिए निर्देशक गोपीचंद सर का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह पहली बार है जब मैं खलनायक की भूमिका निभा रहा हूँ, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, और उनके दृढ़ विश्वास ने मुझे यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं! उन्होंने आगे लिखा, आप सभी के प्यार से अभिभूत - इस साल छावा और सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव के बाद जाट तीसरी सफल फ़िल्म है। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया! यह मेरी पहली साउथ फिल्म है और हर किसी की लगन और प्रतिभा ने मुझे चौंका दिया। इस टीम के साथ काम करना एक सपना जैसा रहा। सोमुलु और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए जश्न मनाने का समय है। मैं भविष्य के लिए उत्साहित हूं और अपनी टीम के हर सदस्य को उनके समर्पण और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं।
दर्शकों और समीक्षकों का समर्थन पाना किसी वरदान से कम नहीं है। जाट और सोमुलु को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। नए मौकों और सहयोगों के लिए तैयार हूं। जल्द मिलते हैं कुछ नए के साथ! खैर, यह तो साफ है कि इस बेहतरीन कलाकार के पास पाइपलाइन में कुछ और है, या फिर विनीत ने किसी नए प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं? चर्चा है कि वह जल्द ही मुक्काबाज़ के निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, वह कबीर खान एंटरटेनमेंट के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

परिवार को सिनेमा हॉल तक लाना ही अब असल चुनौती

हिंदी सिनेमा में प्रियदर्शन का नाम क्लासिक फिल्मों 'हेराफेरी', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' आदि के लिए आज भी सम्मान से लिया जाता है। बरसों बाद वह अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली हिंदी फिल्म 'भूत बंगला' बनाने जा रहे हैं। प्रियदर्शन से ये खास बातचीत

हास्य, व्यंग्य और उपहास में किस विधा को एक कॉमेडी फिल्म की जरूरत आप मानते हैं?

मेरे लिए किसी भी कॉमेडी फिल्म को बनाने का एक ही सूत्र है और वह ये कि क्या ये फिल्म किसी बच्चे को हंसा सकती है। चार्ली चैपलिन के दिनों से शुरू करके आज हम वहां आ गए हैं, जहां दूसरों का मजाक उड़ाने पर लोग हंसते हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन के सामने मजबूरी है कि उसको उन्हीं 90 मिनट या दो घंटे में सामने बैठे दर्शकों को रोककर रखना है। सिनेमा की ऐसी कोई मजबूरी नहीं है।

और, क्या सिनेमा में फूहड़ता और गालियों की वजह से भी लोगों का सिनेमाघरों तक आना कम हुआ है?

हां, और ये एक दिन में नहीं हुआ है। दर्शकों का किसी कला से मोहभंग समय के साथ साथ होता है। सिनेमा में फिल्म दर्शकों की रुचि के क्षरण के जिम्मेदार वे सारे लोग हैं जिन्होंने दर्शकों को लुभाने के लिए अलग अलग तरह के टोटके ईजाद करने शुरू कर दिए। फिल्में वही हिट होती हैं जिन्हें लोग समूहों में देखने आएं। अब कोई भी परिवार अपने बच्चों के साथ लेकर कोई कॉमेडी फिल्म देखने मुश्किल से ही जाता है।

आपको आज की पीढ़ी के बच्चों के साथ कितना संवाद होता है?

सिनेमा शुरू से अपने दौर के युवाओं की पसंद के साथ ही चलता रहा है। 19 साल से लेकर 30 साल तक के लोग ही अपने परिजनों के साथ ये तय करते हैं कि सिनेमाघर जाकर कौन सी फिल्म देखनी है। मैं इसीलिए अपने बच्चों के साथ अपनी फिल्मों के विचार बांटता रहता हूं। उनकी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद ही मैं अपनी फिल्म लिखने बैठता हूं।

मलयालम सिनेमा की कई फिल्में हाल के दिनों में हिंदी फिल्म दर्शकों के लिए नए सिरे से हिंदी फिल्म सितारों के साथ बनाई गईं, आपके अनुसार दर्शकों की पसंद पर इनके खरे न उतरने की वजह क्या हो सकती है?

किसी भाषाई फिल्म को किसी ऐसे वृहत्तर दर्शक समूह के लिए बनाना जिसकी भाषा, रुचियां और संवेदनाएं अलग हैं, बहुत तैयारी मांगता है। बिना विषय की रूह को समझे सिर्फ रीमेक के लिए फिल्म बना देना सही निर्णय नहीं है और इसीलिए हिंदी में बन रही भाषाई फिल्मों की रीमेक सफल नहीं हो रही हैं। इन फिल्मों के निर्देशक अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि गलती कहां हुई?

आपके हिसाब से हिंदी सिनेमा के निर्माता या निर्देशक कहां चूक रहे हैं?

सबसे पहली जरूरत किसी फिल्ममेकर के लिए ये होनी चाहिए कि वह अपने दर्शकों को समझे। उनकी पसंद जाने। उनकी रोजमर्रा की दिक्कतों से दो-चार हो। एक उदाहरण से इसे यूं समझा जा सकता है कि किसी प्रेम कहानी में प्रेमी-प्रेमिका के द्वंद्व के कारक अब बदल चुके हैं। अब उन्हें अमीरी-गरीबी या अपने माता-पिता या भाषाई भिन्नता के चलते प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। उनका प्रतिरोध अब भीतरी है। अब उनका द्वंद्व खुद से है, एक दूसरे की राजनीतिक विचारधारा से है, एक दूसरे के अपने अपने कारोबार में आने वाली परेशानियों से है।

मतलब कि आज के निर्देशक बदलते समय के साथ खुद को बदल नहीं रहे हैं?

ये बात दूसरी तरह से भी मैं कह सकता हूं और वो ये कि सिनेमा बदलते समाज का आईना होता है। और, अगर कोई भी फिल्ममेकर इस आईने में बदलाव को नहीं भांप पा रहा है तो वह ज्यादा दूर तक नहीं जा पाएगा। हर बड़ा फिल्ममेकर तभी लंबे समय काम कर पाया, जब उसने अपने निर्देशन को, अपनी कहानियों को और अपनी फिल्म मेकिंग को बदलते समय में बदलते दर्शकों के साथ बदला और अपना अनुकूलन समय के इस बदलाव के साथ जारी रखा।

हिंदी सिनेमा में आपकी पिछली फिल्म 'हंगामा 2' सफल नहीं रही। अब आप अक्षय कुमार के साथ दो फिल्में और बना रहे हैं? क्या योजनाएं हैं इन फिल्मों की?

'हेराफेरी 3' पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हां, मेरी हिंदी सिनेमा में एक बड़े बजट की फिल्म के साथ अरसे बाद वापसी हो रही है। बरसों बाद में अक्षय कुमार के साथ काम करने जा जा रहा हूं। ये एक बहुत ही खास फिल्म होगी और अब मैं इस फिल्म के जरिये सिनेमा का जादू फिर से जगाने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

प्रियदर्शन की सौंवी फिल्म कौन सी होगी, क्या ये फिल्म आपके खासमखास दोस्त मोहनलाल के साथ ही होगी?

सिनेमा को लेकर मेरा पक्का विचार यही है कि इसे आंकड़ों की बाजीगरी में नहीं उलझाया जाना चाहिए। एक निर्देशक को अपनी फिल्म की मोटी मोटी गणित तो आनी चाहिए लेकिन सिर्फ गणित के लिए सिनेमा भी नहीं बनाना चाहिए।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673